संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-22 अंक- 287
पृष्ठ 8
मंगलवार
07 जुलाई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बारिश के मौसम में लें स्पाइसी...

विचार- हूल आंदोलन आदिवासी अस्मिता...

खेल- हालंद से क्यों नहीं मिस होता कोई गोल...

प्रयागराज में सीएम ने प्रेरणास्थल पार्क का उद्घाटन किया

आज की अयोध्या रामभक्तों के तप-संघर्ष का परिणाम

प्रयागराज,संवाददाता। सीएम योगी आदित्यनाथ सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। वह यहां पर प्रेरणा स्थल पार्क का उद्घाटन किया। पार्क में लगीं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, अटल बिहारी वाजपेई और अशोक सिंघल की प्रतिमाओं का अनावरण किया। 37वीं राष्ट्रीय कयाकिंग प्रतियोगिता का भी उद्घाटन किया।

उन्होंने कहा कि आज श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे देश के सामने है। आज जो भव्य अयोध्या हम देख रहे हैं, वह करोड़ों रामभक्तों के त्याग, तप और संघर्ष का परिणाम है। देश के पूज्य संतों को एक मंच पर लाने का यह सबसे बड़ा सांस्कृतिक आंदोलन था। पूज्य संतों के नेतृत्व और जन–जन की

भागीदारी से पूरे देश में एक अद्भुत जनजागरण हुआ। सन 1980 के दशक में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक ही नारा गूंजता था। न जाति का बंधन था, न क्षेत्र का, न भाषा का। चारों ओर एक ही स्वर सुनाई देता था। रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे। इन्हीं नारों के साथ उस समय के युवाओं ने पूज्य अशोक सिंघल जी के नेतृत्व में देश के भीतर एक नए जनआंदोलन को गति दी। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। वहीं डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंच पर मौजूद सपा की बागी विधायक और भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल का नाम भूल गए। सीएम 3 घंटे तक संगमनगरी में रहेंगे। वह पीडब्लूडी प्रयागराज मंडल के कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। शाम 6 बजे के करीब वह रवाना हो जाएंगे।

समीक्षा बैठक का आयोजन प्रयागराज मेला प्राधिकरण सभागार में होगा। मंच पर सीएम के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और सपा की बागी विधायक पूजा पाल भी मौजूद रहीं।

सीएम योगी ने कहा– महाकुंभ के दौरान नगर निगम ने शिवाजी पार्क का निर्माण कर वेस्ट टू वेल्थ का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। महाकुंभ के दौरान इतनी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिवाजी पार्क देखने पहुंचे कि वहां जितना निवेश हुआ था, उससे कहीं अधिक लाभ प्राप्त हुआ। मुझे विश्वास है कि यमुना तट पर स्थापित इन तीन महान विभूतियों की प्रतिमाएं केवल इस क्षेत्र की शोभा ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि हर नागरिक और हर युवा को नई प्रेरणा भी देंगी। आज श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे देश के सामने है। आज जो भव्य अयोध्या हम देख रहे हैं, वह करोड़ों रामभक्तों के त्याग, तप और संघर्ष का परिणाम है। अशोक सिंघल जी की सपना की अयोध्या है। सन् 1980 के दशक में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक एक ही नारा गूंजता था। न जाति का बंधन था, न क्षेत्र का, न भाषा का।

श्यामा प्रसाद की जयंती पर पीएम मोदी ने किया याद

370 हटाना सच्ची श्रद्धांजलि

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय जनसंघ के संस्थापक और राष्ट्रवादी विचारक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम मोदी ने कहा कि डॉ. मुखर्जी का योगदान कई क्षेत्रों में रहा। वे एक बेहतरीन विचारक और शिक्षाविद थे। वहीं, गृहमंत्री शाह ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने श्राष्ट्र प्रथमश के आदर्श को अपने जीवन का ध्येय बनाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को उनकी 125वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने एक्स पर लिखा,'डॉ. मुखर्जी का योगदान कई क्षेत्रों में रहा। वे एक बेहतरीन विचारक और शिक्षाविद थे, जिन्होंने इनोवेशन और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से सीखने–सिखाने की प्रक्रिया का समर्थन किया। उद्योग मंत्री के तौर पर, उन्होंने औद्योगिक आत्मनिर्भरता की नींव रखी। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया कि पारंपरिक क्षेत्र और लोगों की आजीविका फलती–फूलती रहे। बंगाल के अकाल के दौरान उनके मानवीय प्रयासों से मुसीबत में घिरे लोगों के प्रति उनकी गहरी संवेदना झलकती थी। सबसे बड़ी बात यह है कि भारत की एकता और अखंडता के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी।' पीएम मोदी ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन पर एक लेख लिखा, जिसमें उनके अलग–अलग क्षेत्रों में किए गए कामों जैसे वाइस चांसलर, मंत्री, राजनीतिक नेता आदि पर जोर दिया गया। भारत की एकता को मजबूत करने में उनके बेमिसाल प्रयासों को जिक्र किया गया। 2019 में अनुच्छेद 370 और 35(।) को हटाना उनके प्रयासों के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर लिखा, श्देश की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रखर पुरोधा, भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस राष्ट्र के बहुत बड़े नेताओं में शुमार होते हैं। संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर उनका स्मरण कर नमन करता हूं। डॉ. मुखर्जी ने श्राष्ट्र प्रथमश के आदर्श को अपने जीवन का ध येय बनाया। बंगाल के विभाजन के समय उनका दूरदर्शी नेतृत्व और जम्मू–कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बनाए रखने के लिए उनका संघर्ष भारतीय इतिहास में सदैव स्मरणीय रहेगा। सिद्धांतों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता और देश की अखंडता के लिए उनका आजीवन संघर्ष युवाओं को सदैव प्रेरणा देता रहेगा।ष इसके साथ ही, अमित शाह ने अपना वीडियो संदेश भी शेयर किया। इसमें उन्होंने कहा, श्श्यामा प्रसाद मुखर्जी इस राष्ट्र के बहुत बड़े नेताओं में शुमार होते हैं।

भारत टैक्सी की तर्ज पर शुरू होगी नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी

अमित शाह ने किया बड़ा एलान

नई दिल्ली,एजेंसी। देश के सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक नीतिगत पहल की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में घोषणा की कि देश में सहकारी समितियों के विकास को तेज करने के लिए जल्द ही एक नई सहकारी लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) कंपनी का गठन किया जाएगा।

उन्होंने साफ किया कि सहकारिता आंदोलन, जो कांग्रेस शासन के दौरान एक उपेक्षित आंदोलन बन चुका था, उसे इस मंत्रालय के गठन से एक महत्वपूर्ण लाइफलाइन मिली है। देश के लगभग 8.5 लाख सहकारिता संगठनों और 30 करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए यह पहल एक दूरगामी गेम–चेंजर साबित होने वाली है।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बताया कि देश में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी का कामकाज बेहद शानदार रहा है और आगामी दो वर्षों में इसका विस्तार 500 शहरों में करने की ठोस तैयारी है। इसी मॉडल की तर्ज पर, बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक स्वतंत्र सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी।

उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि उर्वरक क्षेत्र की दिग्गज सहकारी संस्था इफको (आईएफएफसीओ) पहले से ही एक जापानी फर्म के साथ संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के जरिए बीमा व्यवसाय में सक्रिय है। यह नई कंपनी सीधे तौर पर सहकारिता क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा के दायरे में लाकर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी। ग्रामीण स्तर पर पैक्स (पीएसीएस) के डिजिटलीकरण और क्षमता निर्माण के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं?

सहकारिता क्षेत्र को पेशेवर, पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं :–

50,000 ई–पैक्स (ई–पीएसीएस) का शुभारंभरू ग्रामीण स्तर की वित्तीय रीढ़ कही जाने वाली 50,000 प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों (पीएसीएस) को डिजिटल तकनीक से लैस कर ई–पैक्स (ई–पीएसीएस) में परिवर्तित कर दिया गया है।

रेल यात्रियों को बड़ी सौगात, मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई ट्रेन सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

नयी दिल्ली,एजेंसी। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को यहां से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए नांदेड़–मुंबई और टनकपुर–नांदेड़ एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखायी। इसके साथ ही उन्होंने टनकपुर– पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार शाहजहांपुर तक किए जाने का भी उद्घाटन किया। वैष्णव ओडिशा के दौरे पर हैं, जहां वह भगवान जगन्नाथ की आगामी रथ यात्रा के मद्देनजर रेलवे की तैयारियों की समीक्षा करने के साथ–साथ दिन में बाद में ओडिशा से शुरू होने वाली दो ट्रेन को भी हरी झंडी दिखाएंगे। उन्होंने नई रेल सेवाओं की शुरुआत यहां रेल सदन से की। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रेल मंत्री ने कहा कि नई रेल

सेवाओं से रेल संपर्क बेहतर होगा और यात्रियों, विशेषकर उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के तराई क्षेत्र में रहने वाले सिख समुदाय को इसका लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा, श्तराई क्षेत्र में रहने वाले हमारे सिख भाई–बहनों की ओर से लंबे समय से इस रेल सेवा की मांग की जा रही थी। आज नांदेड़ से वाशिम और हिंगोली होते हुए मुंबई के लिए भी रेल सेवा शुरू की गई है, जिससे विदर्भ और मराठवाड़ा के कई जिलों का मुंबई से संपर्क बेहतर होगा। पीलीभीत, आगरा और टनकपुर को जोड़ने वाली कुछ अन्य रेल सेवाएं भी शुरू की गई हैं। वैष्णव ने कहा कि रेलवे खटीमा और बनबसा स्टेशनों पर इस ट्रेन के ठहराव की मांग पर भी विचार करेगा। उन्होंने कहा, श्श्यदि यह संभव हुआ, तो इस ट्रेन का ठहराव खटीमा और बनबसा में भी निश्चित रूप से दिया जाएगा। रेल मंत्री ने यह भी घोषणा की कि टनकपुर– पीलीभीत रेल सेवा का विस्तार उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर तक कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि पहले विशेष ट्रेन के रूप में संचालित होने वाली टनकपुर–आगरा रेल सेवा को अब नियमित कर दिया गया है। रेलवे की पिछले 12 वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए वैष्णव ने कहा कि इस अवधि में लगभग 37,000 किलोमीटर नई रेल पटरियां बिछाई गई हैं और रेलवे नेटवर्क का 99.6 प्रतिशत विद्युतीकरण किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि केरल में ओणम पर्व के दौरान यात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे 100 विशेष ट्रेन चलाएगा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर संजय राउत का हमला, ट्रस्ट भंग करने की मांग बोले-

निष्पक्ष जांच हो और दोषियों पर सख्त कार्रवाई

मुंबई,एजेंसी। अयोध्या के राम मंदिर में कथित चढ़ावा चोरी के मामले को लेकर राजनीतिक बयानबाजी लगातार तेज होती जा रही है। इसी क्रम में शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने ट्रस्ट को तत्काल भंग करने की मांग करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता जताई। मुंबई में मीडिया से बातचीत के दौरान संजय राउत ने आरोप लगाया कि राम मंदिर से जुड़े इस कथित वित्तीय अनियमितता के मामले को बेहद गंभीरता से लिया जाना चाहिए। उनका कहना था कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी सामने आती है तो ट्रस्ट की जवाबदेही तय होनी चाहिए। उन्होंने आरोप

लगाया कि यह किसी एक व्यक्ति का मामला नहीं बल्कि सुनियोजित तरीके से किया गया कथित कृत्य प्रतीत होता है। राउत ने कहा कि यदि कई लोग इसमें शामिल पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। संजय राउत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी केंद्रीय जांच एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि छोटे आर्थिक मामलों में एजेंसियां तेजी से कार्रवाई करती हैं, लेकिन इतने चर्चित मामले में अब तक कठोर कदम सामने नहीं आए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के बजाय संबंधित लोगों को संरक्षण दिया जा रहा है। हालांकि, इन आरोपों पर केंद्र सरकार या संबंधित एजेंसियों की ओर से तत्काल कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। शिवसेना (यूबीटी) सांसद ने कहा कि राम मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र है और मंदिर में चढ़ाया गया दान पूरी तरह पारदर्शी तरीके से सुरक्षित रहना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा अर्पित किए गए दान और आभूषणों के प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। राउत ने दावा किया कि कई मूल्यवान आभूषण और धार्मिक वस्तुएं गायब हैं। इन दावों की स्वतंत्र रूप से आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और मामले की जांच प्रक्रिया जारी है। संजय राउत ने इस पूरे विवाद को लेकर भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले से जुड़े लोगों के राजनीतिक संबंधों की भी जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतने संवेदनशील मामले में सरकार को स्पष्ट रुख सामने रखना चाहिए।

दिल्ली में प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए लॉन्च की 'एंड-टू-एंड' ईवी पॉलिसी

नयी दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार की नई इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) पॉलिसी का मकसद प्रदूषण से निपटने, क्लीन मोबिलिटी को मजबूत करने और इलेक्ट्रिक गाड़ियों को राष्ट्रीय राजधानी में ट्रांसपोर्ट का पसंदीदा तरीका बनाने के लिए एंड–टू–एंड सॉल्यूशन देना है। पॉलिसी पर चिंताओं को दूर करते हुए, गुप्ता ने कहा कि इसे न केवल खरीद इंसेंटिव के आसपास बल्कि चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, गाड़ी स्क्रैपिंग, ई–वेस्ट मैनेजमेंट और लंबे समय तक पर्यावरण सस्टेनेबिलिटी के आसपास भी डिजाइन किया गया है। उन्होंने बताया, "ईवी पॉलिसी इस शहर के लिए एक बहुत बड़ी जरूरत थी। इसे एक ऐसे फ्रेमवर्क में लाना जरूरी था जो एंड–टू–एंड सॉल्यूशन दे।

विधायक विनय प्रकाश गोंड को राहत, चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका खारिज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर जिले की रामकोला विधानसभा सीट से वर्ष 2022 में निर्वाचित विधायक विनय प्रकाश गोंड को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका खारिज कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कुशीनगर जिले की रामकोला विधानसभा सीट से वर्ष 2022 में निर्वाचित विधायक विनय प्रकाश गोंड को बड़ी राहत दी है। कोर्ट

ने उनके निर्वाचन को चुनौती देने वाली चुनाव याचिका खारिज कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति नीरज तिवारी की एकलपीठ ने दिया है। राधा चरन ने विनय प्रकाश गोंड के विधायक चुने जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में चुनाव याचिका दायर की थी। उन्होंने आरोप लगाया था कि विधायक ओबीसी वर्ग से संबंध रखते हैं, जबकि उन्होंने अनुसूचित जाति का प्रमाणपत्र प्राप्त कर रामकोला की सुरक्षित सीट से चुनाव लड़ा। याची ने दावा किया कि प्रमाणपत्र धोखाधड़ी से हासिल किया गया है और इसी आधार पर उनके निर्वाचन को निरस्त किया जाना चाहिए।

सुनवाई के दौरान विधायक की ओर से कहा गया कि उनका जाति प्रमाणपत्र सक्षम प्राधिकारी की ओर से जारी किया है। आज तक किसी सक्षम समिति ने उसे निरस्त नहीं किया है। प्रमाणपत्र की वैधता से संबंधित शिकायत जिला स्तरीय स्क्रूटनी समिति के समक्ष लंबित है, इसलिए जब तक समिति अंतिम निर्णय नहीं दे देती, तब तक प्रमाणपत्र वैध माना जाएगा। हाईकोर्ट ने पक्षों को सुनने के बाद कहा कि किसी उम्मीदवार के जाति प्रमाणपत्र की वैधता या उसकी सत्यता पर निर्णय देने का अधिकार चुनाव न्यायाधिकरण के पास नहीं है। यह अधिकार केवल राज्य सरकार की ओर से गठित सक्षम जाति सत्यापन समितियों को प्राप्त है। इन्हीं तथ्यों और कानूनी प्रावधानों के आधार पर हाईकोर्ट ने चुनाव याचिका को निराधार मानते हुए खारिज कर दिया।

ताजमहल के सर्वे की मांग पर हाईकोर्ट ने केंद्र और एएसआई से मांगा जवाब

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ताजमहल के सर्वे की मांग पर केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से जवाब मांगा है। साथ ही निजी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ताजमहल के सर्वे की मांग पर केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) से जवाब मांगा है। साथ ही निजी प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल की एकल पीठ ने भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान की ओर से उनके मित्र हरिशंकर जैन व अन्य श्रद्धालुओं के माध्यम से दाखिल याचिका पर दिया है। आगरा ट्रायल कोर्ट में वर्ष 2019 में एक आवेदन दायर किया गया था। उसमें ताजमहल का निरीक्षण, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी कराने के लिए एडवोकेट कमिश्नर नियुक्त करने की मांग की गई थी। आवेदन को अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश (सीनियर डिवीजन) ने खारिज कर दिया था। उस आदेश के खिलाफ पुनरीक्षण याचिका भी अप्रैल 2026 में अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, आगरा ने गैर–विचारणीय मानते हुए खारिज कर दी थी, जिसे याचियों ने हाईकोर्ट में चुनौती दी। याचियों ने हाईकोर्ट में दावा किया कि स्मारक में कई ऐसे वास्तु एवं पुरातात्विक संकेत मौजूद हैं, जो इसे प्राचीन हिंदू मंदिर साबित करते हैं। इन तथ्यों को केवल मौखिक साक्ष्य से सिद्ध नहीं किया जा सकता। इसलिए कोर्ट की निगरानी में फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी आवश्यक है। याचियों का दावा है कि ताजमहल वास्तव में भगवान शिव को समर्पित प्राचीन मंदिर तेजो महालय है। ऐसे में हिंदू समुदाय को वहां पूजा–अर्चना का अधिकार मिलना चाहिए।

तीजन बाई ने कहा था– पंडवानी पर और लिखिए, इस कला को आगे ले जाइए

प्रयागराज। 'उस किताब को और आगे बढ़ाइए...आपके पास तो मेरे कई साक्षात्कार हैं। पंडवानी पर और लिखिए, इस कला को आगे ले जाइए।' तीजन बाई पर प्रकाशित पहली पुस्तक के लेखक डॉ.धनंजय चोपड़ा के पास पद्म विभूषण तीजन के जीवन के आखिरी पलों की यही स्मृतियां शेष रह गईं। 'उस किताब को और आगे बढ़ाइए...आपके पास तो मेरे कई साक्षात्कार हैं। पंडवानी पर और लिखिए, इस कला को आगे ले जाइए।' तीजन बाई पर प्रकाशित पहली पुस्तक के लेखक डॉ.धनंजय चोपड़ा के पास पद्म विभूषण तीजन के जीवन के आखिरी पलों की यही स्मृतियां शेष रह गईं। वरिष्ठ साहित्यकार और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सेंटर ऑफ मीडिया स्टडीज के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ.धनंजय चोपड़ा बताते हैं कि मंच पर आत्मविश्वास से भरीं तीजन बाई का जीवन आसान नहीं था। जब उन्होंने पंडवानी गाना शुरू किया, तब महिलाओं का इस लोकगायन से जुड़ना वर्जित माना जाता था। उन्होंने परिवार से छिपकर यह कला सीखी। मंच तक पहुंचने के लिए सामाजिक विरोध झेला। वैवाहिक जीवन में भी संघर्ष कम नहीं थे। आर्थिक तंगी, नौकरी की परेशानियां और निजी जीवन की कठिनाइयों के बावजूद उन्होंने पंडवानी का साथ कभी नहीं छोड़ा। डॉ.चोपड़ा बताते हैं कि 1996 में पहली बार उनकी मुलाकात तीजन बाई से हुई थी। इसके बाद कई मुलाकातें और लंबे साक्षात्कार स्मृतियों का हिस्सा बने। 2002 में उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र ने तीजन पर मोनोग्राफ लिखने की जिम्मेदारी सौंपी। यह तीजन बाई पर प्रकाशित पहली पुस्तक बनी। इसके लिए उन्हें बार–बार तीजन बाई के पास जाना पड़ा। हर मुलाकात में कोई नया प्रसंग, नई कथा और महाभारत का कोई नया पात्र उनके सामने जीवंत हो उठता। तीजन कभी लिखी स्क्रिप्ट से नहीं गाती थीं। महाभारत की कथा के बीच समाज, स्त्री, संघर्ष और जीवन के सवालों को भी पिरोती चलती थीं। एक घटना याद करते हुए डॉ.चोपड़ा ने बताया कि मंच पर भीम का अभिनय करते समय तीजन बाई तानपुरा को गदा बना लेती थीं। वह उसी क्षण की तस्वीर लेना चाहते थे, लेकिन अभिनय में इतने खो गए कि कैमरे का बटन दबाना ही भूल गए। तभी मंच से तीजन बाई ने आवाज दी, 'खींचो'। इसके बाद उन्होंने तस्वीर ली।तीजन बिना तानपुरा के नहीं गाती थीं। वरिष्ठ कवि योगेंद्र कुमार मिश्रा बताते हैं कि तीजनबाई की अधिकांश बचपन नाना के सान्निध्य में बीता। नाना उन्हें रोज रामायण, महाभारत और अन्य धार्मिक कथाएं सुनाया करते थे। इन्हीं कथाओं ने उनके मन में पांडवों की गाथाओं के प्रति गहरी रुचि जगाई, जो आगे चलकर उनकी पहचान बनी।

नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में गवाह का बयान हुआ दर्ज, बचाव पक्ष को जिरह का मौका 16 जुलाई को

प्रयागराज। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और बाघंबरी मठ के महंत रहे नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में सोमवार को जिला अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान अभियोजन पक्ष के गवाह सर्वेश कुमार द्विवेदी की मुख्य परीक्षा पूरी कर ली गई।

अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और बाघंबरी मठ के महंत रहे नरेंद्र गिरि आत्महत्या मामले में सोमवार को जिला अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान अभियोजन पक्ष के गवाह सर्वेश कुमार द्विवेदी की मुख्य परीक्षा पूरी कर ली गई। अदालत का समय समाप्त हो जाने के कारण बचाव पक्ष को जिरह का अवसर नहीं मिल सका। अब मामले की अगली सुनवाई 16 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान मुख्य आरोपी आनंद गिरि चित्रकूट जिला जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत से जुड़े। वहीं, सह–आरोपी आद्या प्रसाद तिवारी और संदीप तिवारी अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहे।

महंत नरेंद्र गिरि प्रयागराज स्थित बाघंबरी मठ में अपने कमरे में 20 सितंबर 2021 को मृत पाए गए थे। उनके शिष्यों ने उनका शव फंदे से लटका हुआ देखा था। घटनास्थल से मिले कथित सुसाइड नोट में उन्होंने अपने शिष्य आनंद गिरि, बड़े हनुमान मंदिर के तत्कालीन पुजारी आद्या प्रसाद तिवारी और उनके बेटे संदीप तिवारी पर मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया था।

घटना के अगले दिन 21 सितंबर 2021 को जॉर्जटाउन थाने में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंप दी गई। सीबीआई ने 18 नवंबर 2021 को दाखिल आरोपपत्र में आत्महत्या के लिए उकसाने के साथ हत्या और आपराधिक साजिश की धाराएं भी जोड़ दीं। मामले में आनंद गिरि, आद्या प्रसाद तिवारी और संदीप तिवारी आरोपी हैं। आद्या प्रसाद तिवारी और संदीप तिवारी को सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है।

सुशील मौत मामले में नामजद विधायक के तीनों फोन बंद, लखनऊ में होने की आशंका

प्रयागराज। हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुरवा–सरायपीथा गांव में 22 दिन के भीतर दो सगे भाइयों की मौत के मामले में पुलिस अब बड़े भाई सुशील कुमार की मौत को आत्महत्या मानकर जांच आगे बढ़ा रही है।

हंडिया थाना क्षेत्र के बनपुरवा–सरायपीथा गांव में 22 दिन के भीतर दो सगे भाइयों की मौत के मामले में पुलिस अब बड़े भाई सुशील कुमार की मौत को आत्महत्या मानकर जांच आगे बढ़ा रही है। हालांकि, नामजद हंडिया विधायक हाकिमलाल बिंद अब भी पुलिस की पहुंच से बाहर हैं।

सूत्रों के अनुसार, विधायक के तीनों मोबाइल फोन बंद मिल रहे हैं। उनके लखनऊ में होने की आशंका जताई जा रही है। दावा किया गया कि वह मामले को लेकर किसी मंत्री से मुलाकात का प्रयास कर सकते हैं। उधर, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से मौत की पुष्टि हुई है और शरीर पर चोट के निशान नहीं मिले हैं।

पुलिस का कहना है कि यदि हत्या में संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं तो हाकिमलाल बिंद की नियमानुसार गिरफ्तारी की जाएगी। मामले के अन्य नामजद आरोपी फरार हैं। शनिवार देर रात और रविवार सुबह पुलिस ने कुछ आरोपियों के करीबियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वहीं, किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए पीड़ित परिवार के घर पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

11 जून को छोटे भाई संतोष कुमार की मौत पर उसकी पत्नी व साला के अलावा कई लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई थी, जिसमें से साला लल्लन व पत्नी गौरी को गिरफ्तार कर पुलिस शनिवार को ही न्यायालय भेज चुकी है। जबकि तीन जुलाई को हंडिया विधायक हाकिम लाल बिंद, गौरी, गायिका सुमित्रा नंदिनी, उसके भाई व गौरी के जीजा के खिलाफ हत्या सहित विभिन्न धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी। तहरीर में जमीन विवाद को लेकर साजिश के तहत हत्या कराने का आरोप लगाया गया है।

घटनास्थल का मोबाइल लोकेशन खंगाल रही पुलिस

गंगानगर की पुलिस सर्विलांस टीम अब मोबाइल कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर), लोकेशन और अन्य तकनीकी साक्ष्य जुटा रही हैं। पुलिस घटनास्थल समेत अन्य जगहों पर मृतक सुशील और विधायक समेत अन्य आरोपियों की लोकेशन खंगाली है। अभी तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। गंगानगर डीसीपी कुलदीप सिंह गुनावत ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार प्रारंभिक जांच में मामला आत्महत्या का है। विधायक हाकिमलाल बिंद के खिलाफ यदि हत्या में संलिप्तता के पर्याप्त साक्ष्य मिलते हैं तो नियमानुसार उनकी गिरफ्तारी की जाएगी।

यूपी स्टेट सीनियर कैनो स्प्रिंट चैंपियनशिप में खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की 37वीं स्टेट सीनियर कैनो स्प्रिंट चौंपियनशिप में प्रदेशभर के खिलाड़ियों ने 500 और 200 मीटर स्पर्धाओं में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। पुरुष और महिला वर्ग की विभिन्न कयाक (ज्ञ) एवं कैनो (ब) स्पर्धाओं में कई जिलों के खिलाड़ियों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीतकर अपनी छाप छोड़ी।

37वीं उत्तर प्रदेश स्टेट सीनियर कैनो स्प्रिंट चौंपियनशिप में प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में 500 मीटर और 200 मीटर वर्ग की कयाक (के1, के2, के3) तथा कैनो (सी1, सी2, सी4) स्पर्धाओं का आयोजन हुआ, जिसमें पुरुष और महिला दोनों वर्गों के खिलाड़ियों ने भाग लिया।

500 मीटर पुरुष के1 स्पर्धा में उत्तर प्रदेश पैडलिंग टीम के सत्यम पलियान ने पहला स्थान हासिल किया, जबकि अलीगढ़ के अंकित चौधरी दूसरे और प्रयागराज के इंद्रराज कुमार तीसरे स्थान पर रहे। के2 पुरुष वर्ग में यूपी की जोड़ी विकास और बृज ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि प्रयागराज और कौशाम्बी की टीमों ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। के4 पुरुष वर्ग में भी यूपी टीम ने बाजी मारी। सी1 पुरुष स्पर्धा में प्रयागराज के सुधांशु भारतीय विजेता रहे।

महिला वर्ग में 500 मीटर के1 स्पर्धा का स्वर्ण कानपुर की सुप्रिया निषाद ने जीता। के2 महिला वर्ग में प्रतापगढ़ की भूमि सोनकर और आंचल सोनकर की जोड़ी पहले स्थान पर रही। सी1 महिला स्पर्धा में कानपुर की अनुष्का ने पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि सी2 महिला वर्ग में प्रयागराज की ऋतिका और अंजलि की जोड़ी विजेता बनी।

200 मीटर स्पर्धाओं में भी खिलाड़ियों ने तेज रफ्तार का प्रदर्शन किया। पुरुष सी1 वर्ग में यूपी के अंकुर दुबे ने स्वर्ण, प्रयागराज के अखिल शर्मा ने रजत और अलीगढ़ के अंकित चौधरी ने कांस्य पदक जीता। के2 पुरुष वर्ग में यूपी टीम ने पहला स्थान हासिल किया। सी4 पुरुष वर्ग में प्रयागराज की टीम विजेता रही, जबकि यूपी और बिजनौर क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर रहे। महिला के1 वर्ग में कानपुर की सुप्रिया निषाद और सी1 महिला वर्ग में प्रयागराज की ऋतिका कुमारी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

प्रतियोगिता में प्रदेश के बिजनौर, प्रयागराज, वाराणसी, अलीगढ़, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, कानपुर, फतेहपुर, बुलंदशहर, मेरठ और अन्य जिलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने यह साबित किया कि उत्तर प्रदेश में जल क्रीड़ाओं के प्रति रुचि लगातार बढ़ रही है और राज्य स्तर पर प्रतिभाओं की मजबूत फसल तैयार हो रही है।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान, मौत से पहले भेजा मैसेज

प्रयागराज। घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जाता है कि अरविंद कुमार तिवारी का पत्नी और ससुराल के लोगों से विवाद चल रहा था। घूरपुर थाना क्षेत्र के इरादतगंज में एक युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। बताया जाता है कि अरविंद कुमार तिवारी का पत्नी और ससुराल के लोगों से विवाद चल रहा था।

निर्माण की मियाद के लिए 11 दिन बचे, आधी भी नहीं बनी सड़क

प्रयागराज। शास्त्री पुल पर दारागंज से झूंसी जाने वाली लेन पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की मियाद 11 दिन ही बचे हैं। ऐसे में लोक निर्माण विभाग के लिए निर्माण कार्य पूरा करना बड़ी चुनौती है। शास्त्री पुल पर दारागंज से झूंसी जाने वाली लेन पर चल रहे सड़क निर्माण कार्य को पूरा करने की मियाद 11 दिन ही बचे हैं। ऐसे में लोक निर्माण विभाग के लिए निर्माण कार्य पूरा करना बड़ी चुनौती है। अफसरों का दावा है निश्चित तारीख तक निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी के निर्माण खंड तीन की ओर से दो जुलाई की रात से सड़क निर्माण के लिए मशीनों की संख्या तीन से पांच और मजदूरों की संख्या भी अब 35 से बढ़ाकर 70 कर दी गई है। विभाग के अफसरों का दावा है कि संख्या बढ़ाए जाने के बाद 15 जुलाई की तय समय सीमा तक डेढ़ किमी की सड़क का निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा। पुल पर दारागंज से झूंसी जाने वाली दो किलोमीटर की लेन पर शनिवार की रात तक सड़क उखाड़ने का कार्य पूरा कर लिया गया। मैनुअल तरीके से मजदूरों को लगाकर सड़क का निर्माण और छिलाई कराई जा रही है। इसके साथ ही मशीन से बिटुमिन, गिट्टी एवं मार्बल डस्ट का मिश्रण तैयार किया जाता है। रात आठ बजे ब्लॉक मिलने पर दारागंज से झूंसी आने वाली लेन पर सड़क का निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाता है। इसी बीच रविवार दोपहर करीब आधे घंटे की बारिश से पुल के किनारे रखी गई सामग्री भी भीग गई। वहीं, लोक निर्माण विभाग के अफसरों का दावा है कि कुछ देर की बारिश से निर्माण कार्य पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। तीन दिन पहले डीसीपी नीरज पांडेय ने भी बैठक कर हर हाल में सड़क का निर्माण कार्य 15 जुलाई तक पूरा करने के निर्देश दिए थे। पुल की मरम्मत का कार्य चार जून से शुरू हुआ था। हालांकि, 32 दिनों में से बीच के तीन दिन छोड़ दिए जाए तो 29 दिन में सड़क की छिलाई का कार्य तो तकरीबन पूरा कर लिया गया लेकिन डामरीकरण का कार्य बेहद धीमा है। पुल पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण झूंसी से लेकर हनुमानगंज, सैदाबाद, बरौत, हंडिया, फूलपुर, सहसों के साथ ही जौनपुर, बादशाहपुर, भदोही और वाराणसी तक के लाखों लोग रोजाना आवागमन करते हैं।

सड़क का मरम्मत कार्य तेजी से किया जा रहा है। कोशिश है कि हर हाल में 15 जुलाई तक निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाए। रविवार की दोपहर में हुई कुछ देर की बारिश से सड़क निर्माण कार्य पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। – केएस श्रीवास्तव, सहायक अभियंता, लोक निर्माण विभाग खंड तीन

सड़क की छिलाई का कार्य 800 मीटर बचा

झूंसी। 31 दिन से चल रहे मरम्मत कार्य में अब तक 2200 मीटर की सड़क की छिलाई का कार्य भी पूरा नहीं हो सका है। शास्त्री पुल की सड़क का मरम्मत कार्य लोक निर्माण विभाग खंड 3 कर रहा है। 2200 मीटर सड़क को छिलने के लिए मंगाई गई मिलिंग मशीन अब भी पुल के प्रभावित लेन के आधे रास्ते से कुछ आगे पर खड़ी है। सड़क की छिलाई का कार्य अब भी करीब 800 मीटर बचा होगा। इसके साथ ही जहां पर मशीन से छिलाई की गई है। उनमें भी कई जगहों पर अब तक डामर नहीं भरा जा सका है।

एमएनएनआईटी में बीटेक के 83 फीसदी छात्रों को नौकरी, सर्वाधिक 72 लाख मिला पैकेज

प्रयागराज। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) ने वर्ष 2025 के बीटेक प्लेसमेंट आंकड़े जारी किए हैं। इसमें संस्थान के 844 छात्रों में से 703 को नौकरी मिली है। मोतीलाल नेहरू राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एमएनएनआईटी) ने वर्ष 2025 के बीटेक प्लेसमेंट आंकड़े जारी किए हैं। इसमें संस्थान के 844 छात्रों में से 703 को नौकरी मिली है। संस्थान का प्लेसमेंट 83.29 फीसदी रहा। भर्ती के लिए 558 कंपनियां कैंपस पहुंचीं। पूरे बीटेक 2025 बैच का औसत पैकेज 20.43 लाख रुपये रहा। मीडियम पैकेज 12.60 लाख रुपये और सर्वोच्च पैकेज 72 लाख रुपये दर्ज किया गया। कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग (सीएसई) शाखा का प्रदर्शन सबसे बेहतर रहा। इसमें 308 छात्रों में से 298 को नौकरी मिली। सीएसई का औसत पैकेज 27.72 लाख रुपये। अधिकतम पैकेज 72 लाख रुपये रहा।

इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग में 81.82 फीसदी छात्रों को रोजगार मिला। मैकेनिकल इंजीनियरिंग में 83.19 फीसदी और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में 79.49 फीसदी प्लेसमेंट हुआ। प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग में 80 फीसदी छात्रों को नौकरी मिली। बायोटेक्नोलॉजी में 70.27 फीसदी, केमिकल इंजीनियरिंग में 63.27 फीसदी और सिविल इंजीनियरिंग में 57.5 फीसदी छात्रों का प्लेसमेंट हुआ।

आईपीओ में मुनाफे का झांसा देकर सेवानिवृत्त बैंककर्मी से 51.50 लाख की ठगी

प्रयागराज। मीरापुर निवासी सेवानिवृत्त बैंक कर्मी से जालसाजों ने सेबी पंजीकृत ब्रोकिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताकर 51.50 लाख रुपये की ठगी की। मीरापुर निवासी सेवानिवृत्त बैंक कर्मी से जालसाजों ने सेबी पंजीकृत ब्रोकिंग कंपनी का प्रतिनिधि बताकर 51.50 लाख रुपये की ठगी की। आरोपियों ने व्हाट्सएप पर फर्जी समूह बनाकर आईपीओ, ओटीसी और एआई आधारित निवेश में नौ गुना तक मुनाफे कमाने का झांसा दिया। साइबर थाने में आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पीड़ित ने पुलिस को बताया कि ठगों ने मैग्नम पैसे ग्रो सर्किल नामक व्हाट्सएप ग्रुप में जोड़ा। फिर खुद को मैग्नम इक्विटी ब्रोकिंग लिमिटेड का प्रतिनिधि बताते हुए कंपनी को सेबी से पंजीकृत ब्रोकिंग फर्म बताया और निवेश कराया। 17 से 30 जून 2026 के बीच आरोपियों ने विभिन्न बैंक खातों में 51.50 हजार रुपये का निवेश कराया। जब उन्होंने निवेश की गई राशि वापस निकालने की मांग की तो आरोपी टालमटोल करने लगे। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ। पीड़ित ने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत में हेमंत ओस्तवाल, निश्चल संतोष जैन समेत अन्य अज्ञात व्हाट्सएप एडमिन के नाम, मोबाइल नंबर दर्ज हैं। साइबर पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है।

बमरौली में थार सवार तीन भाइयों पर बमबाजी और हवाई फायरिंग, 7 पर केस दर्ज

प्रयागराज। पूरामुफ्ती के बमरौली उपरहार न्यू कॉलोनी में रविवार शाम थार सवार तीन भाइयों पर बमबाजी और हवाई फायरिंग की गई। वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। इस मामले में सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पूरामुफ्ती के बमरौली उपरहार न्यू कॉलोनी में रविवार शाम थार सवार तीन भाइयों पर बमबाजी और हवाई फायरिंग की गई। वारदात पास लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। असरौली गांव निवासी मसरूर अपने भाई सोनू और मसूद के साथ शाम करीब सात बजे थार से बगीचे की ओर गए थे। आरोप है कि तभी पहले से घात लगाए बैठे हमलावरों ने उन पर बम से हमला कर दिया।

संक्षिप्त

राम मंदिर चढ़ावा मामले में हाईकोर्ट में याचिका खारिज

सीबीआई जांच और सीएजी ऑडिट की मांग वाली 3 याचिकाएं, तीनों एकसाथ रद्द

लखनऊ (संवाददाता)। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावा चोरी के आरोपों को लेकर दाखिल जनहित 3 याचिकाओं पर सोमवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच में सुनवाई करने से इन्कार कर दिया। पहली याचिका अधिवक्ता मोहित अशोक, दूसरी अधिवक्ता मोतीलाल यादव और तीसरी एक अन्य याचिकाकर्ता द्वारा दाखिल की गई थी। हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने तीनों याचिकाओं को एकसाथ जोड़कर सुनवाई करने को कहा था। याचिकाओं में आरोप लगाया गया है कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के दानपात्रों से चढ़ावे में अनियमितताएं हुई हैं। मामले की निष्पक्ष जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने और मंदिर के चढ़ावे का भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) से ऑडिट कराने की मांग की गई। याचिकाकर्ता मोहित अशोक ने मांग की थी कि सीबीआई जांच का आदेश हो। इस पर सरकार की तरफ से एएजी विनोद शाही और सीएससी शैलेंद्र सिंह ने पक्ष रखते हुए कहा कि ऐसी याचिका सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। अतः यहां कोई औचित्य नहीं है। इसके बाद जस्टिस राजन राय और जस्टिस मंजीव शुक्ला ने याचिका खारिज कर दी। मुख्य जनहित याचिका 12 जून 2026 को दाखिल की गई थी, लेकिन हाईकोर्ट के ग्रीष्मकालीन अवकाश के कारण इस पर सुनवाई नहीं हो सकी थी। अब सोमवार को इस पर सुनवाई से इन्कार कर दिया। याचिकाकर्ताओं का दावा है कि मामला कोर्ट नंबर–1 में क्रम संख्या–19 पर सूचीबद्ध है और लंच के बाद इस पर सुनवाई होने की प्रबल संभावना थी।

नगर निगम के नए उपाध्यक्ष बने सुशील तिवारी पम्मी,सर्वसम्मति से हुआ चयन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ नगर निगम कार्यकारिणी ने सर्वसम्मति से पार्षद सुशील तिवारी पम्मी को कार्यकारिणी का नया उपाध्यक्ष चुन लिया। यह निर्णय महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में शिवरी प्लांट में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया। उपाध्यक्ष चुने जाने के बाद मेयर सुषमा खर्कवाल ने सुशील तिवारी पम्मी को बधाई दी। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने बुके देकर नए उपाध्यक्ष का स्वागत किया। महापौर ने कहा कि पम्मी के लंबे अनुभव और सक्रिय कार्यशैली से विकास कार्यों को गति मिलेगी। महापौर ने कहा कि नगर निगम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। स्वच्छता, आधारभूत ढांचे के विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता देते हुए शहर के समग्र विकास की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। बैठक में नगर निगम कार्यकारिणी ने लखनऊ के विकास और जनहित के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए विकास कार्यों को और तेज गति से आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

चारबाग से चोरी हुई बच्ची 20 दिन बाद मिली, बेचने की फिराक में थी महिला

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ चारबाग रेलवे स्टेशन से 15 जून को चोरी हुई मासूम बच्ची को जीआरपी ने करीब 20 दिन बाद सकुशल बरामद कर लिया। इस मामले में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी महिला बच्ची को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गई थी और उसे बेचने की मंशा रखती थी। हालांकि ग्राहक नहीं मिलने के कारण बच्ची उसके पास ही रही, जहां से पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। जीआरपी और सर्विलांस टीम ने पूरे घटनाक्रम की जांच के दौरान करीब 450 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज का विश्लेषण किया। लगातार तकनीकी और मैनुअल निगरानी के बाद पुलिस आरोपी महिला तक पहुंचने में सफल रही और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी महिला बच्ची को बेचने की फिराक में थी। लेकिन कोई खरीदार नहीं मिलने के कारण वह बच्ची को अपने पास ही रखे रही। इसी दौरान जीआरपी ने उसे गिरफ्तार कर लिया। करीब 20 दिन बाद बेटी को सकुशल वापस पाकर माता–पिता भावुक हो गए। उन्होंने जीआरपी और जांच टीम का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उनकी बच्ची वापस मिलेगी और पुलिस ने उनकी उम्मीद को सच कर दिखाया। जीआरपी एसपी रोहित मिश्रा ने बताया कि इस सफल ऑपरेशन में शामिल पुलिस और सर्विलांस टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए 25,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है और बच्ची की तस्करी के संभावित नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

ज्वैलर्स को गोली मारकर जेवर लूटने वाले 2 बदमाश गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। गोसाईंगंज क्षेत्र में ज्वैलर्स को गोली मारकर लाखों के जेवर लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने रविवार–सोमवार देर रात गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से लूटा गया माल बरामद किया है। पुलिस तीसरे आरोपी की तलाश में दबिश दे रही है। डीसीपी साउथ अमित कुमार आनंद ने बताया 23 जून की रात अमेठी निवासी ज्वैलर्स सचिन कुमार वर्मा अपनी मुंशीगंज स्थित दुकान और भाई मनीष सोनी की दुकान के सोने–चांदी के जेवर बैग में रखकर स्कूटी से घर लौट रहे थे। रात करीब 8.30 बजे बंगला भवानी मंदिर के पास तीन बदमाशों ने उनकी स्कूटी रोक ली और बैग लूटने का प्रयास किया। विरोध करने पर बदमाशों ने सचिन के पैर में गोली मार दी और आभूषणों से भरा बैग लेकर फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित की तहरीर पर गोसाईंगंज थाने में लूट का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिनकी तलाश चार टीमें गठित की गई थीं। पुलिस और सर्विलांस टीम ने करीब 600 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान रविवार देर रात पुलिस ने दहेरामऊ अंडरपास के पास से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी पहचान जौनपुर के सिकरारा थाना क्षेत्र के ककोहिया गांव निवासी शिवम यादव उर्फ कुंदन (24) और अंकुल यादव उर्फ गोले (20) के रूप में हुई। दोनों के कब्जे से लूटे गए जेवर बरामद किए गए हैं। शिवम स्नातक है और उसने एडीसीए कंप्यूटर कोर्स भी किया है। वहीं अंकुल डिप्लोमा मैकेनिकल इंजीनियर है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ लूट के मुकदमे में संबंधित धाराओं के साथ आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ा दी हैं।

किसानों की समस्याओं पर प्रशासन गंभीर, खण्ड विकास अधिकारी नेहा रावत ने दिया समाधान का भरोसा

मथुरा। महावन तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस के दौरान किसानों और ग्रामीणों ने अपनी विभिन्न समस्याएं प्रशासन के समक्ष प्रमुखता से उठाईं। कार्यक्रम में सबसे पहले पचावर और अवैरनी गांव के किसानों ने अपनी मांगें अधिकारियों के समक्ष रखते हुए शीघ्र समाधान की अपील की।

पचावर के किसानों ने डीएपी खाद की उपलब्धता, सरकारी स्कूल के सामने लंबे समय से जलभराव तथा गांव के तालाब के ओवरफ्लो होने की समस्या से अवगत कराया। किसानों का कहना था कि इन समस्याओं के कारण ग्रामीणों और विद्यार्थियों को लगातार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, इसलिए इनका जल्द निस्तारण कराया जाए।

इस पर बलदेव विकास खंड की खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) नेहा रावत ने किसानों की शिकायतों को गंभीरता से सुना और मौके पर ही स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि डीएपी खाद की उपलब्धता से संबंधित विषय ब्लॉक स्तर के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। वहीं, सरकारी स्कूल के सामने जलभराव की समस्या का निस्तारण पहले ही कराया जा चुका है, जिससे विद्यार्थियों और ग्रामीणों को राहत मिली है।

बीडीओ नेहा रावत ने किसानों को आश्वस्त किया कि प्रशासन ग्रामीणों की अन्य समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। जिन मामलों का संबंध अन्य विभागों से है, उन्हें संबंधित विभागों को भेजकर शीघ्र कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाएगी। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए उनकी बातों को गंभीरता से सुना और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

संपूर्ण समाधान दिवस का उद्देश्य भी आमजन की शिकायतों को सीधे सुनकर उनका समयबद्ध निस्तारण करना है। किसानों को उम्मीद है कि प्रशासन के आश्वासन के अनुरूप उनकी शेष समस्याओं का भी जल्द समाधान होगा।

अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री दीपक कुमार ने किया फतेहपुर स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकास कार्यो की प्रगति एवं यात्री सुविधाओं का लिया जायजा

प्रयागराज।अपर मंडल रेल प्रबंधक, प्रयागराज मंडल श्री दीपक कुमार द्वारा फतेहपुर स्टेशन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत अमृत स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत किए गए कार्यों का गहनता से जायजा लिया ।

निरीक्षण के दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक ने स्टेशन पर उपलब्ध विभिन्न यात्री सुविधाओं, टिकटिंग व्यवस्था, पार्किंग व्यवस्था तथा दिव्यांगजनों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने यात्रियों की सुगम आवाजाही एवं सुविधा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की भी समीक्षा की।

इस दौरान श्री दीपक कुमार ने स्टेशन पर नव निर्मित 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज सहित अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत किए जा रहे अन्य विकास कार्यों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कार्यों की प्रगति, निर्माण की गुणवत्ता तथा कार्यस्थल पर संरक्षा मानकों के अनुपालन की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

अपर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि स्टेशन पुनर्विकास कार्यों में यात्री सुविधा, सुगम आवागमन, स्वच्छता, संरक्षा तथा दिव्यांगजन अनुकूल सुविधाओं को विशेष प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी करते हुए निर्धारित मानकों के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के अवसर पर गति शक्ति यूनिट के अधिकारियों सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं संबंधित पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

खेलोगे तो खिलोगे का मंत्र! यूपी में खेल क्रांति पर सीएम योगी का बड़ा ऐला

हर ग्राम पंचायत में खेल मैदान और हर जिले में आधुनिक स्टेडियम

लखनऊ (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में खेल संस्कृति को मजबूत करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि खेल केवल पदक जीतने का माध्यम नहीं, बल्कि स्वस्थ, अनुशासित और नशामुक्त समाज के निर्माण की मजबूत नींव भी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की हालिया खेल उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि 65वीं राष्ट्रीय अंतरराज्यीय सीनियर एथलेटिक्स चौंपियनशिप में उत्तर प्रदेश की पुरुष टीम ने 20 पदक जीतकर पहली बार चौंपियन बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, जापान में आयोजित पुरुष अंडर–18 हॉकी एशिया कप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम में उत्तर प्रदेश के पांच खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

योगी ने प्रदेश के उभरते खिलाड़ियों क्रिकेटर दीप्ति शर्मा, पैरालंपिक ऊंची कूद खिलाड़ी प्रवीण कुमार, भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी, दृष्टिबाधित धाविका सिमरन शर्मा तथा शतरंज ग्रैंडमास्टर वंतिका अग्रवाल का जिक्र करते हुए कहा कि आज उत्तर प्रदेश की नई पहचान इन प्रतिभाशाली बेटे–बेटियों से भी बन रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि चौंपियन एक दिन में नहीं बनते और खेल संस्कृति भी रातोंरात नहीं बनती। इसी सोच के साथ प्रदेश सरकार खिलाड़ियों के कौशल विकास, आधुनिक प्रशिक्षण और बेहतर खेल सुविधाओं का विस्तार कर रही है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित करने के साथ उन्हें सरकारी नौकरियां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। खेल अवसंरचना के विस्तार पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में खेल मैदान, प्रत्येक ब्लॉक में मिनी स्टेडियम तथा हर जनपद में आधुनिक स्टेडियम विकसित किए जा रहे हैं। मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय लगभग तैयार है, जबकि प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए जाएंगे।

'राम मंदिर दान' पर अखिलेश का बड़ा दावा, बोले

दिल्ली-लखनऊ की लड़ाई में दब गई जांच

लखनऊ (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी (सपा) के मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) पर परोक्ष रूप से तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि राम मंदिर के कथित दान चोरी मामले की जांच को सीबीआई जैसी केंद्रीय एजेंसियों के बजाय एक विशेष जांच दल (एसआईआटी) को सौंप दिया गया, क्योंकि पार्टी के भीतर श्आंतरिक सत्ता संघर्षश चल रहा है। अखिलेश यादव ने बीजेपी का नाम लिए बिना संकेत दिया कि उसके पास सत्ता के दो केंद्र हैं– एक लखनऊ में और दूसरा दिल्ली।

मनमोहक मधुकामनी

(कुण्डलिया)

मनमोहक मधुकामिनी, सुन्दर प्यारा फूल।
गम गम गमके भोर में,मौसम के अनुकूल।
मौसम के अनुकूल,प्रकृति की व्याख्या करते।
दुग्ध धवल यह पुष्प,दिलों को सुष्मित लगते।
सुन लो कहे प्रदीप,कथा सुमन की रोचक।
कलियों की मुस्कान,मधुर मीठी मनमोहक।।

अंतस में खुश्बू लिए, दिल में शुद्ध विचार।
खिलती है मधुकामनी,करने वायु निखार।
करने वायु निखार, प्रकृति का साथी बनके।
गुच्छों का हर फूल, उलचता खुश्बू भरके।
सुन लो कहें प्रदीप,नसीहत देती हँस हँस।
रहो दूर या पास,मगर निर्मल हो अंतस।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सद्भावना मंच प्रयागराज का पुनर्गठन

प्रयागराज।आज विश्वबन्धु योगेन्द्र कुमार मिश्र के नीमसराय कॉलोनी स्थित आवास पर पुनर्गठित 'सद्भावना मंच प्रयागराज' साहित्यिक–सांस्कृतिक–कला–संगीत एवं सामाजिक संस्था की बैठक कवि–लेखक जीके श्रीवास्तव की अध्यक्षता में संपन्न हुई। संरक्षक मंडल के मा. न्यायमूर्ति सुधीर नारायण एवं वरिष्ठ साहित्यकार जीके श्रीवास्तव के आशीर्वाद के साथ योगेन्द्र कुमार मिश्र को अध्यक्ष, मीडिया प्रभार के साथ रवीन्द्र नाथ कुशवाहा उपाध्यक्ष, शम्भूनाथ श्रीवास्तव महासचिव, रेखा तिवारी कोषाध्यक्ष चुने गये तथा पं. राकेश मालवीय मुस्कान, शरत चन्द्र श्रीवास्तव एवं राजेश सिंह 'राज' कारकारिणी सदस्य बनाये गये। कवि–कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा ने बताया कि संस्था का उद्देश्य कवि–कलाकारों को मंच प्रदान करना तथा कला व साहित्य को समृद्ध बनाकर भारत का गौरव बढ़ाना है। संस्था वर्ष भर काव्यगोष्ठी, कवि सम्मेलन, सांस्कृतिक कार्यक्रम–नाटक एवं अन्य विभिन्न कलाओं पर आधारित आयोजन करती रहेगी।

सपा–कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया, उन्हें बोलने का अधिकार नहीं : ब्रजेश पाठक

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मुद्दे पर राज्य की भाजपा सरकार की आलोचना करने वाले विपक्ष पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि श्तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने हमेशा मंदिर निर्माण का विरोध किया। पाठक ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में अयोध्या की हालिया घटना को बहुत दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए विपक्ष पर इस मामले के राजनीतिकरण की कोशिश करने का आरोप लगाया। उपमुख्यमंत्री ने कहा, अयोध्या धाम में जो हुआ वह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है लेकिन पूरा देश और हर सनातनी यह जानता है कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस ने हमेशा राम मंदिर का विरोध किया है। उन्होंने कहा, सपा और कांग्रेस ने हमेशा मुसलमानों को खुश करने की राजनीति की है और उन्हें इसके नतीजे भुगतने होंगे। पाठक ने कहा, ये वही लोग हैं जिन्होंने निहत्थे रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं और अयोध्या को रक्तरंजित कर दिया। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी को अयोध्या धाम पर बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष ने इस बात पर भी सवाल उठाए थे कि क्या भगवान राम का जन्म वाकई अयोध्या में हुआ था। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस ने उच्चतम न्यायालय के सामने भी ऐसा ही रुख अपनाया था। पाठक ने सपा कार्यकर्ताओं के एक कथित वीडियो का भी जिक्र किया, जिसमें कहा गया है कि भगवान राम फिर से अयोध्या छोड़कर वनवास चले गये हैं। उन्होंने कहा, सपा ने हमेशा भगवान राम के खिलाफ बेबुनियाद टिप्पणियों के जरिए सनातन संस्कृति को बदनाम करने की साजिश रची है। पाठक ने कथित तौर पर बाबरी मस्जिद के लिए इकट्ठा किए गए दान के इस्तेमाल पर सवाल उठाए और वक्फ से जुड़े मामलों में गड़बड़ी का आरोप लगाया। उन्होंने पूछा, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को जवाब देना चाहिए कि बाबरी मस्जिद के लिए इकट्ठा किया गया दान कहां गया। वे वक्फ में घोटालों और मदरसों के लिए फंडिंग के स्रोत पर चुप क्यों हैं? पाठक ने विपक्षी दलों पर मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि देश की जनता सनातन संस्कृति को बदनाम करने की किसी भी कोशिश को स्वीकार नहीं करेगी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि

लखनऊ (संवाददाता)। भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर सोमवार को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। द लखनऊ में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। सीएम योगी ने उन्हें एक महान स्वतंत्रता सेनानी, प्रखर शिक्षाविद् और अखंड भारत का प्रबल समर्थक बताया। भारत माता के महान सपूत, महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और श्एक देश में दो विधान, दो प्रधान, दो निशान नहीं चलेंगे का उद्घोष करने वाले डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की आज 125वीं पावन जयंती है। इस अवसर पर उनकी स्मृतियों को नमन करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार और प्रदेश की जनता की ओर से मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

सीएम योगी ने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि जब बंगाल को पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिशें रची जा रही थीं, तब डॉ. मुखर्जी मजबूती से उसके विरोध में खड़े हुए थे। आज यदि पश्चिम बंगाल भारत का अभिन्न अंग है, तो इसका श्रेय उनकी बुलंद आवाज को जाता है। मुख्यमंत्री ने पूर्ववर्ती केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि देश के खाद्य एवं उद्योग मंत्री के रूप में काम करते समय जब तत्कालीन नेहरू सरकार की तुष्टीकरण की नीतियां देश की अखंडता के लिए चुनौती बनने लगीं, तब डॉ. मुखर्जी ने बिना सोचे सत्ता का मोह त्याग दिया और सरकार से अलग हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2019 में अनुच्छेद 370 की समाप्ति के साथ ही जम्मू–कश्मीर में बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का बनाया संविधान पूरी तरह लागू हो पाया। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि जिस बंगाल को पाकिस्तान के खूनी पंजे से बचाने में डॉ. मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई, वहां आज उनकी विचारधारा को मानने वाली सरकार के सहयोग से उनसे जुड़े ऐतिहासिक स्थलों का विकास डबल इंजन सरकार द्वारा किया जा रहा है।

सम्पादकीय.....

जानलेवा मैनहोल

मानसून की बारिश जहां किसानों के लिये राहत लेकर आती हैं, वहीं तंत्र की काहिली और भ्रष्टाचार की पोल भी खोल देती है। मानसून की शुरुआती बारिश ने एक बार फिर सार्वजनिक संरचनाओं की जानलेवा खामियों को ही उजागर किया। मुंबई में बारिश के पानी में नजर न आने वाले एक खुले मैनहोल में गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं हाल ही में खुले बहुचर्चित दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे ने पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर की बदहाली उजागर कर दी। ये घटनाएं हमें बताती हैं कि बारिश के मौसम में स्थानीय निकायों की लापरवाही व खराब इंजीनियरिंग के चलते कैसे लोगों का जीवन जोखिम में पड़ जाता है। निस्संदेह, मुंबई में हुए हादसे को रोका जा सकता था। कथित साफ–सफाई के बाद लापरवाही से खुला छोड़ा गया मैनहोल तब जानलेवा बन गया, जब बारिश के पानी से ढका खुला मैनहोल नजर नहीं आया। निस्संदेह, दुर्घटना के बाद अधिकारियों को निलंबित करना और ठेकेदार को काली सूची में डालना, फौरी तौर पर सही कदम है, लेकिन सवाल यह है कि हादसे होने के बाद ही ऐसे कदम क्यों उठाये जाते हैं? पहले से ही नागरिकों की सुरक्षा के लिये चाक–चौबंद व्यवस्था क्यों नहीं होती? कायदे से किसी सड़क पर मैनहोल खोलने से पहले बैरिकेड्स लगाने, चेतावनी देने वाले संकेत और अस्थायी कवर से ढकना बुनियादी सुरक्षा उपाय हैं। जिन्हें अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाना चाहिए। बीते साल भी दिल्ली में भारी बारिश के दौरान स्कूटर फिसलने से एक महिला और उसका तीन साल का बेटा पानी से भरे नाले में बह गये थे। ये असुरक्षित ड्रेनेज संरचना की घातकता को ही दर्शाता है। विडंबना है कि हमारा तंत्र सालभर सोया रहता है और जब बरसात शुरू होने को होती है, तब मरम्मत– नालों की सफाई के काम की औपचारिकता पूरी करता है। निस्संदेह, संबंधित विभागों के अधिकारियों की सर्वकालिक जवाबदेही तय की जानी चाहिए। फिर किसी भी तरह की लापरवाही होने पर सख्त दंडात्मक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर दिल्ली–देहरादून एक्सप्रेसवे के धंसने की घटना भी एक चिंताजनक स्थिति को दर्शाती है। यह निर्विवाद सत्य है कि कोई सड़क बारिश आने के कारण रातों–रात नहीं धंसती है। इसमें सड़क निर्माण के दौरान सतर्कता की अनदेखी भी शामिल है। दरअसल, सड़क निर्माण के दौरान जल निकासी की कारगर व्यवस्था न होने, मिट्टी की स्थिरता सुनिश्चित न करने और निर्माण में गुणवत्ता की कमी से ही बरसाती पानी सड़क की सतह के नीचे मिट्टी को धीरे–धीरे काटने लगता है। कालांतर यह मिट्टी का कटाव ही सड़क धंसने की वजह बन जाता है। साल 2024 में बिहार में पुलों के ढहने की शृंखला ने भी निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के उपयोग की हकीकत बतायी थी। इसी तरह की चिंताएं अकसर सामने आती हैं जब आधुनिक कहे जाने वाले महानगरों बेंगलुरु और मुंबई में हर मानसून में सड़कों में बने गड्ढे दुर्घटनाओं का कारण बनते हैं। इतना ही नहीं इससे यातायात में भी अराजकता व व्यवधान पैदा होता है। बहरहाल, इन सभी घटनाओं के मूल में एक बात तो समान है कि स्थानीय निकाय व प्रशासन जोखिमों का समय रहते अनुमान नहीं लगा पाते हैं। यह तथ्य सभी अधिकारी जानते हैं कि एक निश्चित समय पर मानसून आता है। बाकायदा समय–समय पर सूचना माध्यमों में मौसम विभाग द्वारा मानसून की भविष्यवाणी की जाती है। लेकिन अधिकारी तब जागते हैं जब स्थितियां जटिल हो जाती हैं। वे इन हालातों को अप्रत्याशित आपात स्थिति के रूप में दर्शाने का प्रयास करते हैं। दरअसल,कई स्तरों पर होने वाली कमीशनखोरी व राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते अकसर ठेकेदारों की जवाबदेही तय नहीं की जाती है। विडंबना यह भी है कि निरीक्षण भी अक्सर खानापूर्ति जैसा ही होता है। वहीं दूसरी ओर सार्वजनिक संरचना का रखरखाव भी निवारक के बजाय प्रतिक्रियात्मक ही रहता है। वास्तव में कारगर समाधान के लिये जरूरी है कि मानसून से पहले सुरक्षा उपायों को संस्थागत ढंग से सुनिश्चित किया जाए, इंजीनियरिंग मानकों को सख्ती से लागू किया जाए, गुणवत्ता की स्वतंत्र जांच हो और ठेकेदार को कानूनी रूप से जवाबदेह बनाया जाए। दुर्घटना होने के बाद प्रतिक्रिया देने के बजाय यह सुनिश्चित हो कि ऐसी घटनाएं हो ही न पाएं।

हूल आंदोलन आदिवासी अस्मिता का प्रतीक

कुमार कृष्णन

झारखंड में 1855 का 'संथाल हूल' (संथाल विद्रोह) भारतीय इतिहास की एक ऐसी क्रांतिकारी घटना है, जिसकी प्रासंगिकता आज भी उतनी ही गहरी है, जितनी ब्रिटिश काल में थी। यह केवल एक विद्रोह नहीं, बल्कि जल, जंगल, जमीन, सामाजिक न्याय और आदिवासी स्वाभिमान की रक्षा का व्यापक आंदोलन था। 'हूल' का अर्थ है– विद्रोह या क्रांति। यह शब्द संथाल समुदाय द्वारा अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए किए गए संघर्ष का प्रतीक बन गया। इतिहासकार वाल्टर हॉउजर ने अपनी पुस्तक 'द संथाल्स एंड द राज' में इसे ब्रिटिश नीतियों और आर्थिक शोषण के विरुद्ध हक की लड़ाई बताया है। यह ब्रिटिश शासन के खिलाफ पहला व्यापक और संगठित आदिवासी सशस्त्र विद्रोह माना जाता है।

अंग्रेजों के आगमन के बाद जमींदारी व्यवस्था और साहूकारी प्रथा ने आदिवासी समाज का जीवन संकट में डाल दिया। संथालों की जमीनें छीनी जाने लगीं, उन पर भारी कर लगाए गए और ऊंची ब्याज दरों पर ऋण देकर उन्हें कर्ज के जाल में फंसाया गया। कर्ज न चुका पाने की स्थिति में उनकी जमीनें जब्त कर ली जाती थीं और उन्हें बंधुआ मजदूरी करने को मजबूर किया जाता था। महाजन, जमींदार और सरकारी अमला मिलकर आदिवासियों का आर्थिक और सामाजिक शोषण कर रहे थे। इससे उनकी पारंपरिक संस्कृति, सामाजिक व्यवस्था और जीवनशैली पर भी गंभीर प्रभाव पड़ रहा था। यही परिस्थितियां धीरे–धीरे एक बड़े जनविद्रोह की भूमि तैयार कर रही थीं। 30 जून 1855 को वर्तमान झारखंड के साहेबगंज जिले के भगनाडीह गांव में सिद्धू, कान्हू, चांद और भैरव मुर्मू के नेतृत्व में लगभग 50 हजार आदिवासी एकत्र हुए। इनके साथ वीरांगनाएं फूलो और झानो भी आंदोलन की प्रमुख प्रेरक शक्ति थीं। सभा में घोषणा की गई कि अब अंग्रेजी शासन और मालगुजारी स्वीकार नहीं की जाएगी। सिद्धू–कान्हू ने ष्करो या मरो, अंग्रेजों हमारी माटी छोड़ोष् का उद्घोष किया। यह नारा महात्मा गांधी के भारत छोड़ो आंदोलन से लगभग 87 वर्ष पहले दिया गया था। संथालों के बीच यह विश्वास फैलाया गया कि श्बोंगाश देवता ने उन्हें अन्याय के विरुद्ध उठ खड़े होने का संदेश दिया है। डुगडुगी और साल वृक्ष की टहनियों के माध्यम से यह संदेश गांव–गांव पहुंचाया गया। हुल! हुल! के नारों के साथ हजारों संथाल युवकों ने महाजनों, जमींदारों और अंग्रेजी प्रशासन के प्रतीकों पर हमला शुरू कर दिया। देखते ही देखते यह आंदोलन साहेबगंज, पाकुड़, भागलपुर, बीरभूम, हजारीबाग और बंगाल के अनेक क्षेत्रों तक फैल गया। विद्रोहियों ने रेलवे निर्माण, डाक व्यवस्था और टेलीग्राफ लाइनों को नुकसान पहुंचाया। कई स्थानों पर अंग्रेजी प्रशासन लगभग समाप्त हो गया। प्रारंभ में अंग्रेज इस आंदोलन की व्यापकता का अनुमान नहीं लगा सके और उन्हें भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि बाद में अंग्रेजों ने बड़ी सैन्य टुकड़ियां भेजीं। आधुनिक हथियारों से लैस सेना के सामने संथालों के पारंपरिक धनुष–बाण और भाले टिक नहीं सके, लेकिन उन्होंने अद्भुत साहस और वीरता का परिचय दिया। विद्रोह को कुचलने के लिए अंग्रेजी सरकार ने कठोर दमनचक्र चलाया। हजारों आदिवासियों को गिरफ्तार किया गया और गांवों पर गोलियां बरसाई गईं। इतिहासकारों के अनुसार लगभग 20 हजार आदिवासी इस संघर्ष में शहीद हुए। चांद और भैरव युद्ध में वीरगति को प्राप्त हुए। बाद में विश्वासघात के कारण सिद्धू और कान्हू को गिरफ्तार कर लिया गया। 26 जुलाई 1855 को भगनाडीह में उन्हें सार्वजनिक रूप से फांसी दे दी गई। लेकिन उनके बलिदान ने आदिवासी प्रतिरोध की ऐसी ज्योति जलाई जो आज भी प्रज्वलित है।

संथाल विद्रोह ने ब्रिटिश शासन को आदिवासी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए बाध्य किया। इसके परिणामस्वरूप प्रशासनिक सुधार किए गए और आगे चलकर संथाल परगना क्षेत्र के लिए विशेष कानूनी प्रावधान लागू किए गए। संथाल परगना काश्तकारी कानूनों ने आदिवासी भूमि की सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह आंदोलन आगे चलकर बिरसा मुंडा के उलगुलान सहित अनेक आदिवासी आंदोलनों की प्रेरणा बना। संथाल हूल केवल अतीत की घटना नहीं है, बल्कि वर्तमान समय के लिए भी एक जीवंत संदेश है। आज जब विकास परियोजनाओं, खनन और औद्योगीकरण के कारण जल, जंगल और जमीन पर संकट बढ़ रहा है, तब यह आंदोलन प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा और सामुदायिक अधिकारों के संरक्षण की प्रेरणा देता है।

आदिवासी पहचान, सरना धर्म कोड, भूमि अधिकार, सांस्कृतिक संरक्षण और सामाजिक न्याय से जुड़े वर्तमान आंदोलनों में भी संथाल हूल की चेतना स्पष्ट दिखाई देती है।

यह संघर्ष हमें याद दिलाता है कि अधिकारों की रक्षा के लिए संगठित प्रतिरोध और सामाजिक एकता कितनी महत्वपूर्ण होती है। संथाल हूल वास्तव में केवल एक ऐतिहासिक विद्रोह नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, समानता, स्वाभिमान और न्याय की वह अमर गाथा है जिसने भारतीय इतिहास में आदिवासी अस्मिता को नई पहचान प्रदान की।

हवाई नहीं है एआई का डर

डिजिटल तकनीक की दुनिया कंप्यूटर क्रांति, इंटरनेट और स्मार्टफोन क्रांति के बाद शायद उन सबसे बड़ी क्रांति से गुजर रही है जिसके केंद्र में है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। यह केवल नई तकनीक नहीं, बल्कि ऐसी क्रांति है जो कामकाज, रोजगार और अर्थव्यवस्था का ढांचा, रंग–ढंग बदल सकती है। अब तक की तकनीकी क्रांतियों के उलट एआई इंसानों के बौद्धिक कार्यों का विकल्प बन रही है। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की रिपोर्ट नई नौकरियों की संभावना जताती है, लेकिन गहराई में जायें तो बड़े पैमाने पर रोजगार खत्म होने और असमान ग्रोथ की चेतावनी भी देती है। बेशक एआई से जॉब पैदा होंगे, पर इसका फायदा उन्हीं को मिलेगा जो एआई–साक्षर होंगे, स्किल्स सीख सकेंगे और बदलाव अपना लेंगे। टिफिशियल इंटेलिजेंस, जिसे हम 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' भी कहते हैं और अब मैं 'यंत्रबुद्धि' के नाम से संबोधित करने लगा हूं, लगातार चर्चा में है। बहुत से लोग इसे लेकर उत्साहित हैं जो जायज है। बहुत से अन्य कुछ ऐसा दिखा रहे हैं जैसे उन्हें फर्क ही नहीं पड़ता। तीसरी श्रेणी उन लोगों की है जो इसके आने से चिंतित हैं। ये वे लोग हैं जिन्हें आशंका है कि तकनीक का इतना ज्यादा ताकतवर और बुद्धिमान हो जाना इंसानों के लिए, खासकर पेशेवरों के लिए कोई शुभ संकेत नहीं। क्या उनका डर वाजिब है या प्रो. स्टीफन हॉकिंग जैसे लोगों ने खामखा कहा था कि एआई बहुत तेजी से विकास करेगी और वह धीमे विकास–क्रम से गुजरकर यहां तक पहुंचे इंसान को बहुत पीछे छोड़ देगी। दरअसल डिजिटल तकनीक की दुनिया 1980 की कंप्यूटर क्रांति, 1995 की इंटरनेट क्रांति और 2008 की स्मार्टफोन क्रांति के बाद आजकल, शायद उन सबसे बड़ी क्रांति से गुजर रही है जिसके केंद्र में है आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस। कंप्यूटरों के आने पर लोगों में उत्साह बहुत ज्यादा था, डर अपेक्षाकृत कम। लोग धाड़धड़ कंप्यूटर सीख रहे थे, अच्छे भविष्य की उम्मीदों के साथ अपने बच्चों को इंस्टीट्यूट भेज रहे थे। कुछ दफ्तरों में हड़तालें भी हो रही थीं कि कंप्यूटर कर्मचारियों की नौकरियों को प्रभावित करेगा। लेकिन कुल मिलाकर युवाओं का उत्साह बुजुर्गों की चिंताओं पर भारी था। इंटरनेट और स्मार्टफोन क्रांति के समय चिंता जैसी कोई विशेष बात नहीं थी। दुनिया सिमट रही थी, अवसर खुल रहे थे और संवाद की जबरदस्त ताकत हमारे हाथों में आ गई थी। हां, छोटे दुकानदारों के कामधंधे पर इ–कॉमर्स कंपनियों के असर, निजी प्राइवेसी, साइबर सुरक्षा, लत लग जाने आदि की चिंताएं थीं लेकिन ऐसी कोई बहुत बड़ी बात नहीं जो वैश्विक स्तर पर परेशान कर रही हो। अलबत्ता, इस बार की क्रांति पिछली डिजिटल क्रांतियों से अलग है। पिछली क्रांतियों ने नौकरियों और कारोबारों को ध्वस्त करने का डर नहीं दिखाया जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस दिखा रही है। उन क्रांतियों ने भी दुनिया की कई परिपाटियों और तौर–तरीकों को बदला लेकिन मौजूदा क्रांति तो कायापलट करने की काबिलियत रखती है। उन क्रांतियों ने भी छोटे स्तर पर नौकरियों को प्रभावित किया लेकिन फिर कई गुना नई नौकरियां पैदा भी कीं। मगर इस बार समस्या यह है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे कामकाज को बेहतर, तेज और सस्ता बनाने के साथ–साथ खुद इंसान की जगह लेने में सक्षम दिख रही है। वह हमारे औजारों, हमारे टूल्स आदि की ही जगह नहीं लेना जा रही, खुद हमें (कर्मचारियों, कारोबारियों आदि को) की जगह लेने की काबिलियत रखती है। बड़ी संख्या में लोग आशंकित दिखाई देते हैं। न सिर्फ आम लोग बल्कि काबिल, अनुभवी और तार्किक लोग भी। दर्जनों आईटी, बीपीओ, सेल्स, डेटा एंट्री, मार्केटिंग, कंटेंट निर्माण, मनोरंजन, दूरसंचार और क्रिएटिव कंपनियों में लाखों कर्मचारियों की छंटनी हुई है। इन सबसे अलग और बेपरवाह, एआई कंपनियों के बीच नए से नए मॉडल लाने की गलाकाट होड़ मची हुई है– न सिर्फ एक दूसरे को पीछे छोड़ने की बल्कि इंसान को पीछे छोड़ देने की। तकनीकी दुनिया के दो दिग्गजों– ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन और एक्सएआई के सीईओ इलोन मस्क का मानना है कि आर्टिफिशियल 'जनरल' इंटेलिजेंस कुछ ही महीने दूर है। यह एआई का सबसे उन्नत संस्करण है जो लगभग हर मायने में इंसान की बराबरी करने में सक्षम होगा। एंथ्रोपिक, ओपनएआई और गूगल जो ताजा मॉडल लांच किए हैं उनकी क्षमताएं देख लोग भौंचक्के रह गए हैं। क्लॉड कोवर्क के बारे में तो ऐसा माना जा रहा है कि वह विशेषज्ञताओं वाले कामों तक को इंसान की तुलना में खुद कर लेगा, सामान्य कामों की तो बात ही छोड़िए। यही वजह है कि पिछली फरवरी में जब क्लॉड कोवर्क और क्लॉड कोड के प्लग–इन जारी किए गए तो दुनिया भर में आईटी कंपनियों समेत कई क्षेत्रों की कंपनियों के शेयर रातोंरात धराशायी हो गए थे। आज भी टीसीएस, इन्फोसिस जैसी भारतीय कंपनियों के शेयर उस सदमे से उबर नहीं पाए हैं। वजह, ये मॉडल और प्लग–इन एक बार सक्रिय कर दिए जाने पर किसी दक्ष कर्मचारी की ही तरह काम कर सकते हैं– ऐसे काम भी जिसके बारे में हम सोचते हैं कि हमारे अनुभव तथा कौशल के कारण सिर्फ हमीं कर सकते हैं। जिन कंपनियों को झटका लगा उनमें कानूनी फर्में भी थीं (जिनका काम करने की संभावना इन मॉडलों ने सिद्ध की है) तो साइबर सिक्योरिटी कंपनियां भी हैं। इनमें क्लाउड के जरिए सेवाएं देने वाली आईटी कंपनियां भी हैं तो स्टाफिंग मुहैया कराने वाले संस्थान भी। प्रकाशन क्षेत्र की कंपनियां भी हैं तो कस्टमर सर्विस के क्षेत्र में सेवा देने वाली कंपनियां भी। चूंकि टीसीएस और इन्फोसिस जैसी कंपनियां दुनिया की आईटी कंपनियों को कर्मचारी मुहैया कराती हैं इसलिए उनके शेयर सर्वाधिक गिरे हैं। उनके बिजनेस मॉडल के सामने ही सवालिया निशान खड़े हो गए हैं। और अभी तो यह एजीआई के आगमन की शुरुआती आहट है। आगे क्या हो सकता है, आप खुद समझ सकते हैं। नई रिपोर्टों के अनुसार, जेनरेटिव एआई इंसान के काम का 60–70 फीसदी हिस्सा खुद कर सकता है। फर्क यह है कि पहले मशीनें हाथ का काम हथियाती थीं जबकि अब मशीनें दिमाग का काम भी हथिया रही हैं– वह काम जिसके लिए लोग वर्षों पढ़ाई करते हैं। मैने कई सर्वेक्षणों पर नजर डाली। आधे से ज्यादा युवा मानते हैं कि आने वाले वर्षों में एआई उनकी नौकरी को प्रभावित करेगी। दुनिया की सिर्फ एक–तिहाई आबादी को भरोसा है कि एआई कंपनियां समाज के हित को अपने मुनाफे से ऊपर रखेंगी। नौकरियों और कारोबारों पर एआई के संभावित असर पर विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने एक अहम रिपोर्ट जारी की है। 'फोर फ्यूचर्स फॉर द न्यू इकोनॉमी' नाम की इस रिपोर्ट ने उन आशंकाओं की पुष्टि की है जो धीरे–धीरे हर नौकरीपेशा शख्स के मन में पैदा होती जा रही हैं। यही कि अगर एआई सब कुछ करने लगी तो मेरी नौकरी का क्या होगा और मेरे बच्चों का भविष्य कितना सुरक्षित होगा। रिपोर्ट में एक डरावना तथ्य बयान किया गया है कि सन् 2030 तक बहुत बड़े पैमाने पर एंट्री–लेवल जॉब्स खत्म हो सकती हैं। नए दौर में अफसर और कामगार दोनों को एक सी अनिश्चितता का सामना करना पड़ सकता है क्योंकि एआई और रोबोटिक्स दोनों साथ आ रहे हैं। डब्ल्यूईएफ एआई की गति और हमारी धीमी तैयारी के आधार पर चार संभावनाओं की तरफ संकेत करता है। पहली संभावना है– सुपरचार्ज्ड प्रोग्रेस (तेज एआई, कुशल कामगार)। इस स्थिति में इंसान एआई टीमों को निर्देशित करेंगे जिसके नतीजे में उत्पादकता बढ़ेगी लेकिन एआई–सक्षम और एआई–असक्षम के बीच असमानता बढ़ सकती है। दूसरी संभावना है द एज ऑफ डिस्प्लेसमेंट (तेज एआई, कामगार तैयार नहीं)। इस स्थिति में बड़े पैमाने पर बेरोजगारी आ सकती है जिसके नतीजे में सामाजिक विभाजन और आर्थिक अराजकता के दरवाजे खुल सकते हैं। तीसरी संभावना है को–पायलट इकोनॉमी (धीमी एआई, कुशल कामगार)। इस स्थिति में मानव और एआई सहयोगात्मक ढंग से काम करेंगे। शुरू में लोगों को प्रशिक्षित करने के लिए भारी निवेश किया जाएगा लेकिन अंततः वह लाभदायक सिद्ध होगा।

आदमी अब बनाएगा जीव!

आदमी अथवा उसकी मशीनों से बनाए गये खिलौने आज्ञा पालक रोबोट तो आप सभी ने देखे हैं लेकिन तैयार रहिए उस जीव को देखने के लिए जो इंसान प्रयोगशाला में बनाएगा। यह जीव खूबसूरत होगा अथवा बंदर जैसा डरावना होगा अथवा शेर जैसा खूंखार भी हो सकता है। जुरासिक पार्क फिल्म को सच्चाई में देखने का समय आ गया है। मिनेसोटा यूनिवर्सिटी में सिंथेटिक बायोलाजिस्ट और प्रोफेसर केट अडमाला ने बेजान केमिकल कम्पाउंड को आपस में मिलाकर सेल (कोशिका) बनाया है जो प्राकृतिक सेल की तरह ही खाना खा सकता है और अपने जैसी दूसरी कोशिकाएं भी बना सकता है। किसी भी जीव के निर्माण की यही प्रक्रिया होती है। ये सेल एक वैक्टीरिया जैसा दिखता है और विज्ञान के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्रांति ला सकता है। चिकित्सा में जीवन रक्षक दवाओं से लेकर अंतरिक्ष की उड़ानों और स्मार्टफोन के जरिए वैश्विक सम्पर्क तक विज्ञान के चमत्कार भरे पड़े हैं। अब तो अमेरिका ने दूसरे ग्रहों पर संभावित एलियन पर अध्ययन के लिए खगोल वैज्ञानिकों की एक टीम ही गठित कर दी है। अमेरिका के पेंटागन में एलियन के बारे में जो जानकारी वर्षों से गुप्त रखी गयी थी, उसे ट्रम्प प्रशासन ने सार्वजनिक कर दिया है। यह भी पता चला है कि अमरिका के पास चार प्रकार के एलियन हैं।

हमारा भारतीय दर्शन कहता है कि सभी जीवों को भगवान ने बनाया है। इंसान अब विज्ञान के कंधे पर सवार होकर जीवन बनाने की दहलीज पर खड़ा हो गया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने पहली बार बिल्कुल शुरू से एक ऐसा सेल (कोशिका) बनाया है जो नेचुरल सेल की तरह ही खाना खा सकता है, खुद बढ़ सकता है और अपने जैसे दूसरे सेल बना सकता है। सिंथेटिक बायोलॉजी में हुई यह बड़ी कामयाबी है क्योंकि अब इससे भविष्य में जरूरत के हिसाब से जीवों को बनाने का दौर आ सकता है जो जीवित मशीनों की तरह काम करेंगे।

हो सकता है यही रिसर्च आधार बने और भविष्य में ऐसे आर्टिफिशियल जीव बने जिन्हें दवाएं, भोजन, ईंधन और दूसरी चीजें बनाने के लिए डिजाइन और तैयार किया गया हो। उससे भी बड़ी बात कि इससे इस सवाल का जवाब भी मिल सकता है कि कैसे बेजान चीजें आपस में मिलकर एक सीमा से आगे जाकर जीवन का रूप ले लेती हैं, यह कमाल मिनेसोटा यूनिवर्सिटी में सिंथेटिक बायोलॉजिस्ट और प्रोफेसर केट अडमाला और उनकी टीम ने किया है। उन्होंने बेजान केमिकल कंपाउंड को आपस में मिलाकर जीवित सेल बनाया है और इसे नाम दिया स्पडसेल्स। यह एक सीमित और नाजुक प्रोटोटाइप है, लेकिन इससे वैज्ञानिकों को जीवन की शुरुआत को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिल सकती है और इसे दुनिया की कुछ सबसे बड़ी बायोलॉजिकल समस्याओं को कम करने के लिए प्रोग्राम भी किया जा सकता है। यह सेल किसी खास तरह का नहीं है यानी यह न तो किसी पौधे का और न ही जानवर का है लेकिन यह काफी हद तक एक साधारण बैक्टीरिया जैसा दिखता है। इस रिपोर्ट के अनुसार प्रोफेसर केट अडमाला ने कहा कि मुझे सेल में इस्तेमाल होने वाली सभी चीजों की पूरी लिस्ट पता है, मुझे ठीक–ठीक पता है कि कौन से केमिकल, कौन से मॉलिक्यूल और कितनी मात्रा में इस्तेमाल हुए हैं। यह पूरी तरह से परिभाषित है, जिसका मतलब है कि हम इसे इंजीनियर कर सकते हैं। यानी खुद बना सकते हैं। वैज्ञानिक दशकों से इंसानी समस्याओं को हल करने के लिए नेचुरल सेल को बायो–इंजीनियरिंग करते रहे हैं। यानी उसी सेल में बदलाव किया गया। इसका एक सशक्त उदाहरण यह है कि कैसे इंसानी इंसुलिन जीन को ईए कोली बैक्टीरिया सेल में डालकर इंसुलिन बनाया जा सकता है और डायबिटीज का इलाज किया जा सकता है।

लेकिन नेचुरल सेल्स में बदलाव करने के बजाय, प्रोफेसर केट अडमाला की टीम ने स्पडसेल्स को बिल्कुल शुरू से बनाया ताकि हर हिस्से की जानकारी और समझ हो। उन्होंने पानी से भरे छोटे गोलों से शुरुआत की, जिन्हें लिपोसोम कहा जाता है और जो मिलीमीटर के कुछ हजारवें हिस्से जितने चौड़े होते हैं। उन्होंने इनमें थोड़ा सिंथेटिक डीएनए भी जोड़ा ताकि ये बुनियादी काम कर सकें।

अब सिंथेटिक सेल को अगला बड़ा कदम माना जा रहा हैं। इनसे कैंसर के नए इलाज और कार्बन को पकड़ने या केमिकल बनाने के नए तरीके विकसित हो सकते हैं। ध्यान रहे कि सेल जीवन की बुनियादी इकाई हैं, लेकिन वे बिल्कुल भी सरल नहीं हैं। इंसानी शरीर में 37 लाख करोड़ सेल होते हैं, जो आसमान में मौजूद तारों की संख्या से भी ज्यादा हैं, और वैज्ञानिक अभी भी नहीं जानते कि हर अलग तरह का सेल कैसे काम करता है या उनमें असल में क्या होता है। सिंथेटिक बायोलॉजी का क्षेत्र स्टेम सेल रिसर्च से अलग है। स्टेम सेल में वैज्ञानिक बायोलॉजिकल स्रोतों से मिले मौजूदा सेल को रीप्रोग्राम और उनमें बदलाव करते हैं।

यूएफओ और एलियन को लेकर अक्सर चर्चा होती है। अमेरिका पर एलियन के रहस्य को छिपाने के वर्षों से आरोप लगते आ रहे हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूएफओ और एलियंस से जुड़ी फाइलें जारी की हैं। इनमें सैकड़ों नए वीडियो, फोटो और पुराने सरकारी रिकॉर्ड शामिल हैं। अब इस बीच सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी (सीआईए) से जुड़े और शोधकर्ता हैल पुटहॉफ ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने बताया कि अमेरिका को क्रैश हुए अनआइडेंटिफाइड फ्लाइंग ऑब्जेक्ट (यूएफओ) से चार अलग–अलग प्रजाति के एलियन मिले हैं। अमेरिकी मीडियो रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने द डायरी ऑफ ए सीईओ पॉडकास्ट में फिल्ममेकर डैन फराह के साथ बातचीत में यह खुलासा किया है। इनमें एक है ग्रेज। इस प्रजाति के बारे में बताया गया है कि इनका कद छोटा, आखें बड़ी और बिना बाल के होते हैं। दूसरी है नॉर्डिक्स। नॉर्डिक्स के बारे में बताया गया है कि यह प्रजाति इंसानों जैसी दिखती है। यह करीब 6 फीट लंबे होते हैं और उत्तरी यूरोप के लोगों से मिलते–जुलते दिखते हैं। तीसरी प्रजाति कीट–मानव है। यह प्रजाति छिपकली जैसे स्केल शरीर वाले होते हैं। इनकी लंबी पूंछ होती है ।

और मानव जैसे अंगों वाले होते हैं और चौथी प्रजाति सरीसृप है। इस प्रजाति को कीड़ों जैसा जीव बताया गया है। इन्हें कभी–कभी प्रेइंग मैन्टिस जैसे आकार से जोड़ा जाता है। अमेरिकी रक्षा विभाग ने आसमान में उड़ने वाली अज्ञात वस्तुओं के बारे में जानकारी सार्वजनिक करने की मुहिम के तहत चार नए वीडियो जारी किए हैं। (हिफी)

गदर के निर्देशक अनिल शर्मा ने की अमीषा पटेल की तारीफ, सेट का भावुक किस्सा किया याद

> मैं जहर खाकर मर भी नहीं सकती, क्योंकि मुझे पता है कि तारा आएगा और मुझे ढूंढकर बुलाएगा। तुमने इस सीन को इतने शानदार तरीके से किया कि सेट पर मौजूद हर इंसान की आंखों में आंसू आ गए थे

अमीषा पटेल को हाल ही में फिल्म गदर के निर्देशक अनिल शर्मा ने एक प्यारा सरप्राइज दिया। इसके साथ ही उन्होंने अमीषा के अभिनय की जमकर तारीफ भी की और फिल्म की शूटिंग का एक भावुक किस्सा भी साझा किया। आईएएनएस की एक खबर के अनुसार, अनिल शर्मा ने याद किया कि गदर में सकीना के किरदार के लिए अमीषा ने कितनी मेहनत की थी। उन्होंने कहा, सकीना के हर सीन के लिए तुमने मेरे साथ सैकड़ों बार रिहर्सल की थी। अनिल ने कहा, फिल्म में मौलवी के साथ तुम्हारा एक सीन था, जहां तुम कहती हो– मैं जहर खाकर मर भी नहीं सकती, क्योंकि मुझे पता है कि तारा आएगा और मुझे ढूंढकर बुलाएगा। तुमने इस सीन को इतने शानदार तरीके से किया कि सेट पर मौजूद हर इंसान की आंखों में आंसू आ गए थे और सबने तालियां बजाई थीं। अनिल शर्मा ने अमीषा की खूबसूरती की तारीफ करते हुए कहा कि जब वह पहली बार अमीषा से मिले थे, वह आज भी वैसी ही दिखती हैं। ऐसा लगता है जैसे उनके लिए वक्त ठहर गया हो। उन्होंने अमीषा को अपने परिवार का हिस्सा बताया। फिल्म गदर साल 2001 में रिलीज हुई थी और बॉलीवुड की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक बनी। इस फिल्म में सनी देओल ने तारा सिंह और अमीषा पटेल ने सकीना का रोल निभाया था। यह भारत के बंटवारे (1947) के समय की कहानी है, जिसमें एक सिख ट्रक ड्राइवर को एक मुस्लिम लड़की से प्यार हो जाता है और वह उसे पाकिस्तान से वापस लाने के लिए पूरी दुनिया से लड़ जाता है। फिल्म का हैंडपंप उखाड़ने वाला सीन आज भी बहुत मशहूर है। इसके साथ ही मैं निकला गड्डी लेके और उड़ जा काले कावां जैसे गाने आज भी लोगों के पसंदीदा हैं।

गुम है किसी के प्यार में फेम तन्वी ठक्कर शादी के 5 साल बाद लेंगी तलाक, सोशल मीडिया पर शेयर किया भावुक पोस्ट

गुम है किसी के प्यार में की अभिनेत्री तन्वी ठक्कर और उनके पति आदित्य कपाड़िया ने अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है। करीब पांच साल साथ रहने के बाद दोनों ने आपसी सहमति से अलग होने की घोषणा की। तन्वी ने इस खबर को सोशल मीडिया के जरिए साझा करते हुए एक भावुक नोट लिखा। उन्होंने बताया कि यह उनकी जिंदगी का सबसे कठिन को भावनात्मक फैसलों में से एक है। अपने सन्देश में तन्वी ने कहा कि उन्होंने और आदित्य ने एक–दूसरे और दोनों परिवारों के सम्मान को प्राथमकिता देते हुए अपने राहें अलग करने का निर्णय लिया है। तन्वी ने सोशल मीडिया पर लिखा की– पिछले कुछ महीनों में मेरी निजी जिंदगी को लेकर कई लोगों ने चिंता जताई और मुझसे कई सवाल पूछे। काफी सोच–विचार और गंभीर चर्चा के बाद आदित्य और मैंने अपनी–अपनी राहों पर आगे बढ़ने का फैसला किया है। यह फैसला हम दोनों के लिए बेहद भावनात्मक रहा है। हमने इसे पूरे सम्मान, समझदारी और एक–दूसरे के साथ–साथ अपने परिवारों का ध्यान रखते हुए लिया है। इस फैसले के पीछे किसी तरह की कड़वाहट, विवाद या ड्रामा नहीं है। हम सिर्फ यही चाहते हैं कि इससे जुड़े सभी लोगों को शांति और आगे बढ़ने का अवसर मिले। इस समय मैं मीडिया, इंडस्ट्री से जुड़े दोस्तों और सभी शुभचिंतकों से विनम्र अनुरोध करती हूं कि हमारी निजता का सम्मान करें और हमें थोड़ा समय व स्पेस दें। मैं इस विषय पर किसी भी कॉल या सवाल का जवाब नहीं दूंगी। एक दूसरे से करते हैं हम प्यार के सेट पर दोनों की मुलाकात हुई थी और 2021 में दोनों ने शादी कर ली। शादी से पहले सात साल तक दोनों ने एक–दूसरे को डेट किया। दोनों ने कोर्ट मैरिज कर के अपने घर में छोटा सा फंक्शन कर लिया। इस शादी से दोनों का एक बेटा है। अगर दोनों के प्रोफेशनल करियर की बात करें तो तन्वी ठक्कर टीवी इंडस्ट्री का जाना–पहचाना चेहरा हैं। उन्होंने बहू हमारी रजनीकांत, गुम है किसी के प्यार में समेत कई लोकप्रिय धारावाहिकों में अपनी अभिनय प्रतिभा दिखाई है। वहीं आदित्य कपाड़िया ने बाल कलाकार के रूप में जस्ट मोहब्बत और शाका लाका बूम बूम जैसे हिट शोज से पहचान बनाई। इसके अलावा वह श्एक दूसरे से करते हैं प्यार हम, कोड रेड और बड़े अच्छे लगते हैं जैसे टीवी प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा रहे हैं। टीवी के साथ–साथ आदित्य ने हिंदी और गुजराती फिल्मों में भी अपनी एक्टिंग का हुनर दिखाया है।

भोजपुरी अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने गाया शिव कैलाशों के वासी, साझा किया वीडियो फैंस ने लुटाया प्यार

> एक फैन ने लिखा, अक्षरा सिंह, मुझे आपका ये गाना पसंद आया, दूसरे फैन ने लिखा, आपकी आवाज आपकी आत्मा को दर्शाती है, वहीं कई प्रशंसकों ने कमेंट में हर हर महादेव लिखकर अपना प्यार जताया है।

भोजपुरी अभिनेत्री और गायिका अक्षरा सिंह ने शिव के प्रसिद्ध भजनों में से एक शिव कैलाशो के वासीश को अपनी आवाज में गाया। इसका खास वीडियो अक्षरा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कर प्रशंसकों को खुश कर दिया है। अक्षरा ने इंस्टाग्रम पर अपनी आवाज में शशिव कैलाशो के वासी भजन का एक खास वीडियो साझा किया है। अक्षरा की आवाज में इस भजन को उनके प्रशंसक बेहद पसंद कर रहे हैं। इस वीडियो में अक्षरा, शिव कैलाशो के वासी, धौली धारों के राजा, शंकर संकट हरना, शंकर संकट हरना भजन गाते हुए नजर आ रही हैं।

इस वीडियो के साथ अक्षरा ने कैप्शन में लिखा, श्महादेव के चरणों में समर्पित मेरा गाना। इसके साथ ही अक्षरा ने प्रशंसकों से कहा कि वह इस गाने को सुनें और अपनी राय पेश करें। अक्षरा के इस वीडियो पर उनके प्रशंसक जमकर प्यार बरसा रहे हैं। एक फैन ने लिखा, अक्षरा सिंह, मुझे आपका ये गाना पसंद आया, दूसरे फैन ने लिखा, आपकी आवाज आपकी आत्मा को दर्शाती है, वहीं कई प्रशंसकों ने कमेंट में हर हर महादेव लिखकर अपना प्यार जताया है। शिव कैलाशो के वासी मूल रूप से एक पारंपरिक हिमाचली शिव भजन है। इसे सबसे लोकप्रिय रूप से हंसराज रघुवंशी ने अपनी आवाज में गाया है। इसके अलावा, इसे जुबिन नौटियाल, मोहित चौहान सम्राट अवस्थी और अब भोजपुरी स्टार अक्षरा सिंह जैसे गायकों ने भी गाया है। फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षरा सिंह का गाना घिस घिस घिस है। यह एक धमाकेदार बॉलीवुड और भोजपुरी डांस नंबर है, जिसमें भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह और बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार एक साथ थिरकते नजर आए। यह गाना सोशल मीडिया और यूट्यूब पर काफी ट्रेंड पर रहा।

रितेश देशमुख को इंडस्ट्री से मिले ये ताने एक्टर ने साझा किया किस्सा

बॉलीवुड एक्टर रितेश देशमुख आजकल नेटफिलक्स के रियलिटी शो लॉक अप सच या सजा को होस्ट कर रहे हैं। शो पर हाल ही में रितेश ने फिल्म इंडस्ट्री में आने पर मिले लेबल्स और लोगों की सोच से उबरने के बारे में खुलकर बात की। शो के लेटेस्ट एपिसोड में कंटेस्टेंट्स के साथ हुई बातचीत के दौरान एक्टर ने महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री के बेटे होने के टैग और खुद को साबित करने में बिताए कई साल के बारे में बात की। एक टास्क से पहले कंटेस्टेंट योगेश रावत ने बताया कि कंगना रनौत के उन्हें चीटर कहने से उन्हें कितना दुख हुआ, जबकि उन्हें उनकी पूरी कहानी पता भी नहीं थी। योगेश ने कहा, 'उन्हें यह भी नहीं पता कि मुझ पर सिर्फ आरोप लगा है या यह सच भी है। मैं इस बात को उठाना भी नहीं चाहता क्योंकि यह मेरे लिए बहुत दर्दनाक अनुभव था। लोगों ने इसे बार–बार दोहराकर सच मान लिया है, जबकि ऐसा नहीं है। मुझे नहीं लगता कि यह सही है कि पूरी सच्चाई जाने बिना दुनिया ने एक धारणा बना ली है। अब जब मैं इस शो का हिस्सा हूं, तो एक गेस्ट मुझे चीटर कह रहा है। योगेश की बात का जवाब देते हुए रितेश ने बताया कि मेहमान सिर्फ दर्शकों की सोच को दिखाते हैं और उसी सोच को घर के अंदर लाते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'सोच या धारणा वैसी ही बनती है जैसा आप बाहर दिखाते हैं। हम सभी इस दौर से गुजरे हैं। जब मैंने अपनी पहली फिल्म की थी, तब मेरे पिता महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री थे। जब मैंने शुरुआत की, तो सब कहते थे, इनके पिता मुख्यमंत्री हैं, इसलिए इन्हें काम मिलता है और इसलिए इनकी फिल्में अच्छा करती हैं। मैं भी इस दौर से गुजरा हूं। तेईस साल और 60 फिल्मों के बाद आज मैं उन सभी टैग्स को तोड़कर आपके सामने खड़ा हूं। कुछ ठप्पों को तोड़ने में समय और मेहनत लगती है, लेकिन अगर आप ठान लें, तो वे टूट ही जाते हैं।' रितेश देशमुख के पिता विलासराव देशमुख महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री थे। रितेश ने 2003 में तुझे मेरी कसम से एक्टिंग की दुनिया में कदम रखा। हाल ही में रितेश राजा शिवाजी में नजर आए थे।

रवि किशन की पर्सनैलिटी राइट्स की सुरक्षा के लिए अनधिकृत कंटेंट हटाने का आदेश

दिल्ली हाई कोर्ट ने एक्टर और भाजपा सांसद रवि किशन के पक्ष में एकतरफा अंतरिम रोक का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत कई संस्थाओं को उनके नाम, तस्वीर, आवाज और व्यक्तित्व से जुड़ी अन्य विशेषताओं का बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल करने से रोका गया है। इसमें एआई, डीपफेक टेक्नोलॉजी और अन्य डिजिटल टूल्स का इस्तेमाल भी शामिल है। जस्टिस ज्योति सिंह की सिंगल–जज बेंच ने यह अंतरिम आदेश रवि किशन द्वारा दायर एक कमर्शियल केस में दिया। यह केस कई प्रतिवादियों के खिलाफ दायर किया गया था, जिनमें सोशल मीडिया अकाउंट्स, वेबसाइट्स, डोमेन नेम रजिस्ट्रार, मध्यस्थ और अज्ञात ष्जॉन डोष (श्रवीद क्वम) संस्थाएं शामिल हैं, जिन पर उनके व्यक्तित्व का बिना इजाजत इस्तेमाल करने का आरोप है। केस में आरोप लगाया गया था कि एआई–जनरेटेड कंटेंट, अश्लील और भद्दे वीडियो, सोशल मीडिया पर फैलाए गए मनगढ़ंत बयानों, उनकी पहचान के बिना इजाजत कमर्शियल इस्तेमाल और उनसे गलत तरीके से जोड़े गए पोर्नोग्राफिक कंटेंट के जरिए एक्टर–राजनेता के व्यक्तित्व और पब्लिसिटी अधिकारों का बड़े पैमाने पर दुरुपयोग किया जा रहा है। आरोप लगाया गया कि कई वेबसाइट्स रवि किशन के नाम का इस्तेमाल यौन रूप से स्पष्ट और पोर्नोग्राफिक सामग्री के संबंध में कर रही थीं, जबकि सोशल मीडिया अकाउंट्स ने मनगढ़ंत और आपत्तिजनक कंटेंट अपलोड किया था, जिससे उनकी छवि और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा। अपने आदेश में दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा कि रवि किशन एक जाने–माने एक्टर हैं, जिनका करियर तीन दशकों से ज्यादा लंबा रहा है। साथ ही एक जन प्रतिनिधि के तौर पर भी उन्हें पहचान मिली है और उनकी काफी अच्छी साख, प्रतिष्ठा और कमर्शियल वैल्यू है। जस्टिस ज्योति सिंह ने नोट किया कि वादी ने कई भाषाओं में 750 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है और उनकी कमर्शियल पहचान उनके नाम, तस्वीर, शक्ल–सूरत, आवाज, खास डायलॉग और व्यक्तित्व की दूसरी खासियतों से गहराई से जुड़ी है। ये सब मिलकर उनके व्यक्तित्व और पब्लिसिटी से जुड़े अहम अधिकार बनाते हैं। दिल्ली हाई कोर्ट ने कहा, 'वादी ने एकतरफा अंतरिम रोक पाने के लिए शुरुआती तौर पर मजबूत मामला बनाया है। सुविधा का संतुलन वादी के पक्ष में है और अगर अंतरिम रोक नहीं लगाई गई तो उन्हें ऐसा नुकसान हो सकता है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकेगी।' कोर्ट ने यह भी कहा कि रवि किशन को अपने व्यक्तित्व की अलग–अलग खूबियों की सुरक्षा करने और दूसरों को उनकी साफ मंजूरी के बिना इनका इस्तेमाल करने या कमर्शियल फायदा उठाने से रोकने का पूरा अधिकार है। जस्टिस सिंह ने कहा कि व्यक्तित्व अधिकारों को अब कानूनी मान्यता मिल चुकी है और उन्हें कानूनी सुरक्षा मिलनी चाहिए, खासकर तब जब बिना मंजूरी के इस्तेमाल से कमर्शियल नुकसान हो, निजता का उल्लंघन हो या किसी व्यक्ति की गरिमा को ठेस पहुंचे। आदेश में कहा गया कि वादी को ऐसे किसी भी कंटेंट के खिलाफ शिकायत करने का अधिकार है जो उनके व्यक्तित्व अधिकारों का उल्लंघन करता हो, या अश्लीलध्अभद्र हो, या जिसमें पोर्नोग्राफिक कंटेंट हो और जिससे जनता, परिवार और दोस्तों के बीच उनकी छवि, साख और प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचता हो। उन्हें सुरक्षा पाने और गलत काम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने का भी अधिकार है। दिल्ली हाई कोर्ट ने प्रतिवादियों और उनकी ओर से काम करने वाले सभी लोगों को रवि किशन के नाम, तस्वीर, शक्ल–सूरत या उनकी पर्सनैलिटी से जुड़ी किसी भी पहचान वाली चीज का इस्तेमाल करने या उसका फायदा उठाने से रोक दिया है। तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई का निर्देश देते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने पहचाने गए प्रतिवादियों और डोमेन नेम रजिस्ट्रार को आदेश दिया कि वे आदेश की कॉपी मिलने के तीन दिनों के भीतर आदेश में बताए गए उल्लंघन करने वाले न्त्स् को हटा दें। कोर्ट ने इंटरमीडियरीज (जैसे मेटा, गूगल और एक्स कॉर्प) को भी निर्देश दिया कि अगर संबंधित प्रतिवादी आदेश का पालन नहीं करते हैं।

बारिश के मौसम में लें स्पाइसी और टेस्टी पनीर पकौड़ा का स्वाद, जानिए मजेदार रेसिपी

बारिश के मौसम में लोगों को सबसे पहले पकौड़े की याद आती है। इससे इस रोमांटिक मौसम का मजा दोगुना हो जाता है। पकौड़े में वैसे तो कई सारे ऑप्शन्स होते हैं लेकिन पनीर के पकौड़े की तो बात ही अलग है। इसे बच्चों से लेकर बुढ़ो तक सब पसंद करते हैं। आप भी पनीर के पकौड़े इस मौसम में 10 मिनट में घर पर ही तैयार कर सकती हैं। आइए आपको बताते हैं इसके मजेदार विधि..

सामग्री

पनीर – 100 ग्राम
बेसन– 1 कप
अजवाइन– 1/2 चम्मच
लाल मिर्च पाउडर
चाट मसाला
गरम मसाला
हींग –1 चुटकी
नमक स्वादानुसार
तेल (तलने के लिए)

विधि

1. सबसे पहले बेसन को छानकर घोल लें।
2.अब इसमें लाल मिर्च पाउडर, अजवाइन, हींग एक चुटकी, गरम मसाला, चाट मसाला एक चम्मच डालकर मिक्स कर लें।
3.इस बात का ध्यान रखें कि घोल गुठलियां बना पड़ें।
4. पनीर के टुकड़ों को मोटा– मोटा काट लें।
5. अब इन सारे टुकड़ों को बीच से हल्का सा चीरा लगाकर उसमें हरी चटनी या फिर चिली सॉस भर दें।
6. कड़ाही में तेल डालकर गर्म करें और पनीर के टुकड़ों को बेसन के घोल में डुबोकर अच्छी तरह से कोट कर लें।
7. फिर इन पनीर के टुकड़ों को हाथ से या फिर चम्मच की मदद से तेल में डालें।
8. सुनहरा होने तक पलट कर तलें। बस तैयार है स्पाइसी पनीर के पकौड़े।

घर में रखी ये 5 चीजें बन सकती हैं परिवार के विनाश का कारण, लाती हैं गरीबी और दरिद्रता

स्नातन धर्म में वास्तु शास्त्र के नियमों को बहुत माना जाता है। कहते हैं घर की हर चीज से किसी ना किसी तरीके की ऊर्जा निकलती है। उसका आसपास के व्यक्ति और उसके परिवार पर सकारात्मक या फिर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसलिए कोई भी चीज को वास्तु शास्त्र में बताई गई दिशाओं के हिसाब से ही रखना चाहिए। वरना आपको कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कई सारी ऐसी चीजें भी हैं जो घर में रखने से द्ररिदता और नकारात्मकता आती है, इसलिए अगर आपके घर में ये चीजें है तो इन्हें आज ही बाहर कर दें...

बंद घड़ियां

कभी भी बंद घड़ियों को घर में नहीं रखना चाहिए। इससे नकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है। इसके चलते आपके बनते हुए काम बिगड़ जाएंगे और उन्नति के रास्ते में रुकावट आती है। इसलिए घर से

टूटी–फूटी या बंद पड़ी चीजों को आज ही हटा दें।

बंद पड़ी मशीनें

कई लोग की आदत होती है की वो बंद पड़ी मशीनों को भी घर में सहेज कर रखते हैं। ऐसा करना आपको नुकसान पहुंचा सकता है। वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार, अनुपयोगी चीजों को स्टोर रूम में रखने से भी अशुभ होता है।

टूटे बर्तन

टूटे–फूटे बर्तनों को कभी भी अपने रसोई घर में नहीं रखना चाहिए। ऐसा करने से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं। जिसके चलते आपको दरिद्रता और आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ सकता है।

कांटेदार पौधा

कई लोग घर में सजावट के लिए बंबजने जैसा पौधा रखते हैं। लेकिन ये गलत है। वास्तु शास्त्र के नियमों के हिसाब से कभी भी कांटेदार पौधे घर में नहीं रखना चाहिए। गुलाब के अलावा अन्य सभी कांटेदार पौधे अशुभ माने गए हैं। ऐसे में इन्हें तुरंत हटा देना चाहिए। क्योंकि इससे घर में नकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है।

फटे पुराने कपड़े न रखें सहज कर

कई लोगों की आदत होती है कि फटे–पुराने कपड़े इस उम्मीद में बचाकर रखते हैं कि यह बाद में किसी–न–किसी काम आ जाएंगे। लेकिन यह आदत आपको मुसीबत में भी डाल सकती है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, इन्हें घर से बाहर कर देना चाहिए। या फिर किसी जरूरतमंद को दे देना चाहिए।

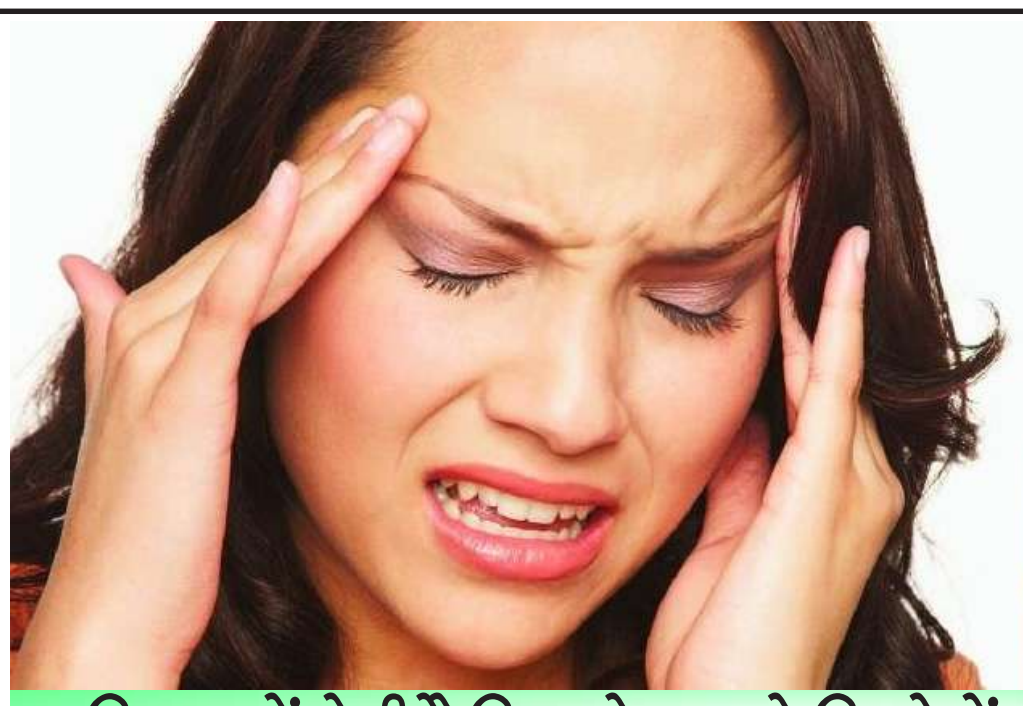

आखिर क्यों होती है सिर के अगले हिस्से में दर्द ? ये कारण हो सकते हैं जिम्मेदार

ज्यादा देर तक टीवी या लेपटॉप के आगे बैठे रहने के कारण सिर में दर्द होने लगता है। कई बार तो यह दर्द कुछ देर बाद ठीक हो जाती है लेकिन लंबे समय तक यह दर्द रहता है। इसके अलावा कई बार तो सिर के अगले हिस्से में भी बहुत ही ज्यादा दर्द होता है जो सहन भी नहीं हो पाता। इसके कारण कई बार तो काम में भी ध्यान नहीं लग पाता लेकिन सिर के अगले हिस्से में दर्द क्यों होता है और इसके क्या कारण आज आपको इसके बारे में बताएंगे। तो चलिए जानते हैं....

इंफेक्शन के कारण

कई बार यदि आपको कोई इंफेक्शन हो गई है तो उसके कारण सिर के अगले हिस्से में दर्द हो सकता है। एक्सपर्ट्स की मानें तो साइनस इंफेक्शन के कारण भी व्यक्ति को सिरदर्द और सिर के अगले हिस्से में दर्द, चेहरे में दर्द जैसी परेशानियां होती हैं। इसके अलावा सर्दी, जुकाम और खांसी के कारण भी सिर के अगले हिस्से में दर्द होता है।

कैसे करें बचाव?

दर्द से बचने के लिए आप साइनस के लक्षणों को कम करें। अगर आपको सर्दी–जुकाम है तो उससे राहत पाकर भी आप दर्द से छुटकारा पा सकते हैं।

माइग्रेन

सिर के अगले हिस्से में दर्द माइग्रेन और टेंशन के कारण भी हो सकता है। इसके अलावा यदि आपके फोरहेड में दर्द है तो यह किसी और बीमारी का लक्षण भी हो सकता है।

कैसे करें इससे बचाव?

दर्द से बचने के लिए माइग्रेन या टेंशन हेडेक का अच्छे से इलाज करवाएं। अगर परेशानी बढ़ रही है तो दवाई लें। इससे आप माइग्रेन के कारण होने वाले दर्द से राहत पा सकते हैं।

हार्मोनल बदलाव

शरीर में हो रहे हार्मोनल बदलाव के कारण भी कई तरह के दर्द होते हैं इन्हीं में से एक सिरदर्द भी होता है। खासकर यह दर्द तब बढ़ सकता है जब आपके लाइफस्टाइल में कोई बदलाव हुआ हो या फिर आप कोई शारीरिक परेशानी से गुजर रहे हों।

कैसे करें बचाव?

उम्र के साथ शरीर में हार्मोन्स बदलते हैं यह एक नैचुरल प्रक्रिया है ऐसे में इससे बचने के लिए आप लाइफस्टाइल में हैल्दी आदतें को शामिल करें। इस तरह आप दर्द से राहत पा सकते हैं।

आंखों में दर्द

ज्यादा समय तक स्क्रीन पर देखने या फिर लगातार काम करने के कारण भी सिर में दर्द होता है। इससे आपकी आंखों पर दबाव पड़ता है और आंखों पर ज्यादा प्रेशर पड़ने के कारण सिर के अगले हिस्से में दर्द हो सकती है. इसके अलावा अगर आप बहुत ही ध्यान से कोई काम कर रहे हैं और आपको फोकस करना पड़ रहा है तो भी सिर में दर्द हो सकता है।

कैसे करें बचाव?

लंबे समय तक काम न करें। यदि जरुरी है तो बीच–बीच में आराम करते रहें। इसके अलावा कंप्यूटर या फिर फोन पर ज्यादा समय न बिताएं। आंखों पर पानी छिड़कते रहें इससे आंखों को आराम मिलेगा।

ये 5 मिनरल्स कंट्रोल करेंगे ब्लड शुगर, डायबिटीज मरीज जरुर बनाएं डाइट का हिस्सा

आज 10 में से 12 लोग डायबिटीज जैसी खतरनाक बीमारी से जूझ रहे हैं। यह एक ऐसी समस्या है जिसमें मरीज का ब्लड प्रेशर बढ़ने लगता है। ऐसे में डायबिटीज रोगियों को अपनी डाइट का खास ध्यान रखना चाहिए। गलत खान–पान के कारण डायबिटीज बढ़ने लगती है। अक्सर डायबिटीज रोगी ऐसी चीजें खा लेते हैं जो उनके लिए समस्या खड़ी कर सकता है। आज आपको कुछ ऐसे मिनरल्स बताएंगे जो आपका ब्लड शुगर कंट्रोल करने में मदद करेंगे। यह मिनरल्स मेटाबॉल्जिम को स्तर बढ़ाते और शुगर कंट्रोल करने में मदद करेंगे। इसके अलावा शरीर में मिनरल्स में की कमी के कारण ऑक्सीडेटिव तनाव और इंसुलिन लेवन भी बढ़ सकता है। तो चलिए आज आपको ऐसे मिनरल्स बताते हैं जो आपका ब्लड शुगर कंट्रोल करेंगे...

मैग्नीशियम

शरीर के लिए मैग्नीशियम बहुत ही लाभकारी माना जाता है। इसका सेवन करने से आपका ब्लड शुगर कंट्रोल रहता है और हार्ट भी स्वस्थ रहता है। डायबिटीज रोगियों में हृदय संबंधी समस्याओं का खतरा भी बढ़ने लगता है। ऐसे में आप अपनी डाइट में इससे भरपूर फूड जरुर शामिल करें। जई, जौ, चना और सोयाबीन जैसी चीजों को आप अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

सेलेनियम

सेलेनियम भी शरीर के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। डायबिटीज रोगी यदि इसे अपनी डाइट में शामिल करते हैं तो इससे उनके शरीर में विषाक्त पदार्थ बाहर निकलते हैं और हार्ट भी स्वस्थ रहता है। सेलेनियम का सेवनक रने से हार्ट संबंधी

समस्याओं का खतरा कम होता है और यह ग्लूकोज का उत्पादन बढ़ाता है और हाइपरग्लेसेमिया का खतरा भी कम करता है। आप हरी पत्तेदार सब्जियां, अंडे, ब्राउन चावल और मशरुम जैसी चीजों को अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। परंतु एक बात का ध्यान रखें कि सेलेनियम का सेवन सीमित मात्रा में ही करें।

कैल्शियम

शरीर में यदि कैल्शियम की कमी हो जाए तो कई सारी समस्याएं होने लगती है। खासकर यदि आप डायबिटीज के रोगी हैं तो आपके लिए समस्या और भी ज्यादा बढ़ सकती है। विटामिन डी और कैल्शियम का सेवन करने से मेटाबॉल्जिम का स्तर बढ़ता है। इसकी कमी पूरी करने के लिए आप डेयरी उत्पाद, सोयाबीन और हरी पत्तेदार सब्जियां डाइट में शामिल कर सकते हैं।

क्रोमियम

क्रोमियम भी डायबिटीज रोगियों के लिए बहुत ही ज रुरी माना जाता है। इसको डाइट में शामिल करने से इंसुलिन की शक्ति कम होती है। बीन्स, ब्रोकली, संतरे और ब्राजील नट्स का सेवन करके आप इसकी कमी शरीर से पूरी कर सकते हैं।

जिंक

जिंक भी शरीर की कई समस्याएं दूर करता है। खासकर डायबिटीज से पीड़ित रोगियों में जिंक की कमी होने लगती है। इसका सेवन करने से मेटाबॉल्जिम का स्तर बढ़ता है और डायबिटीज कंट्रोल रहती है। शरीर में इसकी कमी पूरी करने के लिए आप कद्दू के बीज, काजू, क्विनोआ और पनीर का सेवन कर सकते हैं।

नोट– डायबिटीज के रोगी इन सारे मिनरल्स को अपनी डाइट में शामिल करने से पहले एक बार डॉक्टर की सलाह जरुर ले लें।

बच्चों को एकदम हाइड्रेट रखेगी ये चीजें, नहीं छू पाएगी एक भी बीमारी

बदलते मौसम में शरीर में डिहाइड्रेशन होने लगती है। यदि शरीर हाइड्रेट रहेगा तो एक भी बीमारी नहीं छू पाएगी। ऐसे में बड़े तो अपनी सेहत का अच्छे से ख्याल रख लेते हैं लेकिन बच्चे अपने स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही बरतने लगते हैं। अगर बच्चों की हाइड्रेशन का ध्यान न रखा जाए तो उनकी तबीयत और भी खराब होने लगती है। थकान, बार–बार मुंह सूखना, गहरे रंग का पेशाब, चक्कर आना बच्चों में पानी की कमी के लक्षण हो सकते हैं। पेरेंट्स कुछ तरीके अपनाकर बच्चों को हाइड्रेट रख सकते हैं। तो चलिए जानते हैं इनके बारे में...

जरुर दें पानी

बच्चे अक्सर खेल कूद में पानी पीना भूल जाते हैं। ऐसे में आप इस बात का ध्यान रखें कि जब भी बच्चे शाम को खेलने के लिए बाहर जाएं तो आप उन्हें पानी पिलाकर भेजें। इसके अलावा हर 30 मिनट बाद बच्चे को पानी जरुर दें। इससे बच्चों के शरीर को एनर्जी भी मिलेगी और वह हाइड्रेट भी रहेंगे।

ऐसे दें बच्चों को पानी

अगर बच्चे पानी नहीं पीते तो आप उन्हें उनकी मनपसंदीदा बॉटल खरीद कर दें। इससे वह आसानी से पानी पी पाएंगे।

पानी युक्त पदार्थ दें

बच्चों को यदि आप हाइड्रेशन से बचाना चाहते हैं तो उनकी डाइट में ऐसे खाद्य पदार्थ शामिल करें जिनमें पानी अच्छी मात्रा में हो। तरबूज, खीरा, सेब और संतरा आप उन्हें दे सकते हैं। यह सभी चीजें खाने से शरीर लंबे समय तक हाइड्रेटेड रहेगा।

फ्रूट ड्रिंक

आप फ्रूट ड्रिंक बच्चों को डिहाइड्रेशन से बचाने के लिए दे सकते हैं। यह ड्रिंक्स टेस्टी होने के साथ–साथ बच्चों को एकदम हैल्दी भी रखेंगी। खीरा, तरबूज, अंगूर को मिक्सी में पीसकर इनसे तैयार ड्रिंक्स आप बच्चों को दे स कते हैं।

इलेक्ट्रोलाइट वॉटर

इलेक्ट्रोलाइट वॉटर सीमित मात्रा में बच्चों को दे सकते हैं। इससे उनके शरीर में पानी की कमी भी पूरी होगी और बच्चों को इंस्टेंट एनर्जी भी मिलेगी। नींबू पानी बनाकर आप उन्हें इसका सेवन करवा सकते हैं।

संक्षिप्त

विश्वकप के 17 साल के इतिहास में पहली बार! कोहली को प्रपोज कर चुकीं इस क्रिकेटर ने बनाया रिकॉर्ड

लंदन,एजेंसी। करीब 12 साल पहले विराट कोहली को सोशल मीडिया पर कोहली मैरी मी लिखकर दुनिया भर में सुर्खियां बटोरने वाली इंग्लैंड की स्टार बल्लेबाज डैनी वायट–हॉज ने अब महिला टी20 विश्व कप में नया इतिहास रच दिया है। डैनी टी20 विश्व कप के एक संस्करण में 300 रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले गए फाइनल में डैनी ने अपनी पारी के दौरान आठ रन पूरे करते ही यह ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की। हालांकि वह बड़ी पारी नहीं खेल सकीं, लेकिन उनका यह रिकॉर्ड महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में दर्ज हो गया। डैनी वायट–हॉज ने महिला टी20 विश्व कप 2026 में सात मुकाबलों में 60.40 की औसत से 302 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 42 चौके और दो छक्के लगाए। उनके बल्ले से श्रीलंका के खिलाफ नाबाद 105 रन की शानदार पारी निकली। इसके बाद उन्होंने आयरलैंड के खिलाफ 16 रन, स्कॉटलैंड के विरुद्ध 7 रन, वेस्टइंडीज के खिलाफ 65 रन, न्यूजीलैंड के विरुद्ध नाबाद 89 रन और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 12 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में 8 रन बनाते ही उन्होंने 300 रन का ऐतिहासिक आंकड़ा छू लिया। लॉर्ड्स में खेले जा रहे फाइनल में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने सात रन के स्कोर पर एमी जोन्स (6) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद कप्तान नेट साइवर–ब्रंट और डैनी वायट–हॉज ने दूसरे विकेट के लिए 25 रन जोड़े। डैनी 8 रन बनाकर आउट हो गईं। एलिस कैप्सी ने 23 रन का योगदान दिया, जबकि कप्तान नेट साइवर–ब्रंट ने 53 गेंदों पर नाबाद 58 रन बनाए। उनके साथ फ्रेया कैंप ने 28 गेंदों में नाबाद 44 रन की पारी खेली। दोनों के बीच पांचवें विकेट के लिए 80 रन की अटूट साझेदारी हुई, जिसकी बदौलत इंग्लैंड ने चार विकेट पर 150 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से किम गार्थ, लूसी हैमिल्टन, सोफी मोलिनेक्स और एनाबेल सदरलैंड ने एक–एक विकेट लिया। डैनी वायट–हॉज 2014 में उस समय दुनिया भर में चर्चा में आ गई थीं, जब उन्होंने सोशल मीडिया पर विराट कोहली के लिए मैरी मी लिखकर एक मजाकिया पोस्ट की थी। बाद में जब दोनों खिलाड़ियों की मुलाकात हुई तो विराट कोहली ने हंसते हुए उनसे कहा था, ट्विटर पर ऐसी बातें मत किया करो, लोग इन्हें गंभीरता से ले लेते हैं। उसी मुलाकात में कोहली ने डैनी को अपना एक क्रिकेट बैट भी उपहार में दिया था। अब वर्षों बाद डैनी ने अपने बल्ले से ऐसा रिकॉर्ड बनाया है, जो महिला टी20 विश्व कप के इतिहास में पहली बार देखने को मिला।

अदाणी मामले में साल्वे बोले– ये बदनाव करने की साजिश थी

नई दिल्ली,एजेंसी। अमेरिकी न्याय विभाग ने गौतम अदाणी के खिलाफ कथित आपराधिक रिश्वतखोरी मामले में आरोपों को वापस लेने के अपने निर्णय का दृढ़ता से बचाव किया है। विभाग ने सबूतों की कमजोरी, अधिकार क्षेत्र के उल्लंघन और न्यायिक शक्ति की सांविधानिक सीमाओं का हवाला दिया है।। वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने इस पूरे मामले पर प्रतिक्रिया दी है। उनके अनुसार अदाणी और अन्य लोगों के खिलाफ जो केस दर्ज किया गया है, उसका मकसद कोर्ट में कानूनी रूप से मुकदमा लड़ना या न्याय पाना नहीं था। साल्वे ने कहा कि इसका उद्देश्य बिना किसी मुकदमे की संभावना के आरोप लगाना था। उन्होंने मूल आरोप को एक मानक कानूनी कार्यवाही के बजाय व्यापक राजनीतिक एजेंडा का हिस्सा बताया। साल्वे के अनुसार, बाइडन प्रशासन लगातार भारत विरोधी बातें कर रहा था और भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी न्याय विभाग ने अपने जवाब में कहा कि अभियोजकों को अपने तर्क का विस्तार से वर्णन करने के लिए मजबूर करना सांविधानिक अधिकार को कमजोर कर सकता है। अभियोजकों ने बताया कि कथित मामला भारत में हुआ था, इसलिए अमेरिकी अभियोजकों के लिए इसमें शामिल होना उचित नहीं था। न्याय विभाग ने अपने जवाब में यह भी तर्क दिया कि सबूतों की समस्याओं के कारण मामला कमजोर था। विभाग ने कहा कि अधिकांश कथित सबूत भारत में आधारित थे, जिससे अमेरिकी अभियोजन मुश्किल हो गया। कानूनी विशेषज्ञों ने कहा कि न्याय विभाग के इस दृढ़ रुख से पीठासीन न्यायाधीश के पास मामले को जीवित रखने के लिए बहुत कम गुंजाइश बची है। साल्वे ने कहा कि न्यायाधीश को जल्द ही मामला बंद करना होगा। उन्होंने कहा कि यदि न्यायाधीश ऐसा नहीं करते हैं, तो यह एक बड़ा मुद्दा बन जाएगा। संविधान अभियोजन शक्ति कार्यपालिका में निहित करता है, न्यायपालिका में नहीं। न्याय विभाग न्यायाधीश से कह रहा है कि मुकदमा चलाना है या नहीं, यह उनका निर्णय है। वरिष्ठ अधिवक्ता ने यह भी कहा कि अदालत को दिए गए जवाब में अमेरिकी न्याय विभाग का लहजा उल्लेखनीय रूप से दृढ़ था। यह अमेरिकी कानूनी संचार की सीधी प्रकृति को ध्यान में रखते हुए भी कठोर था। साल्वे ने कहा कि न्याय विभाग ने यह भी कहा कि वे संतुष्ट नहीं थे। उनके अनुसार, उन्हें यह मामला कभी लाना ही नहीं चाहिए था। मई 2026 में न्याय विभाग ने इन आरोपों को खारिज करने का प्रस्ताव रखा था।

हालंद से क्यों नहीं मिस होता कोई गोल? स्टार फुटबॉलर ने वजह का खुद किया खुलासा

न्यू जर्सी,एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ–16 में पांच बार की विश्व चौपियन ब्राजील को 2–1 से हराकर इतिहास रचने वाली नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एर्लिंग हालंद ने अपनी गोल करने की क्षमता को भगवान का आशीर्वाद बताया है। दो शानदार गोल दागकर टीम को क्वार्टर फाइनल में पहुंचाने वाले हालंद ने कहा कि अब उन्हें महसूस होने लगा है कि सही समय पर गेंद का गोल में जाना भगवान का दिया हुआ तोहफा है। ब्राजील के खिलाफ मुकाबले में हालंद ने टूर्नामेंट के अपने छठे और सातवें गोल किए। इसके साथ ही वह 1970 विश्व कप में जर्मनी के महान स्ट्राइकर गर्ड म्यूलर के बाद पहले खिलाड़ी बन गए, जिन्होंने अपने शुरुआती चार विश्व कप मुकाबलों में सात गोल दागे हैं। मैच के बाद हालंद ने अपनी गोल करने की कला पर कहा, श्आमतौर पर ऐसा ही होता है। अगर मुझे एक या दो मौके मिल जाएं, तो वे अक्सर गोल में बदल जाते हैं। मुझे नहीं पता कि मैं यह कैसे करता हूं, लेकिन ऐसा हो जाता है। सबसे जरूरी बात है कि आप अपना पूरा ध्यान बनाए रखें। मैं खुद से कहता हूं कि मौका जरूर आएगा। अब मुझे महसूस होने लगा है कि गेंद का बिल्कुल सही जगह जाकर गोल में बदलना भगवान का दिया हुआ तोहफा है। यह सचमुच अविश्वसनीय है। ब्राजील के खिलाफ दो गोल करने के साथ हालंद के नाम अब विश्व कप 2026 में चार मैचों में सात गोल हो चुके हैं। वह गोल्डन बूट की दौड़ में लियोनेल मेसी और किलियन एम्बाप्पे के साथ संयुक्त बढ़त पर पहुंच गए हैं। वहीं, नॉर्वे के लिए उनका कुल रिकॉर्ड भी लगातार बेहतर होता जा रहा है। अब उनके नाम 54 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 62 गोल हो चुके हैं। वह लगातार 14 प्रतिस्पर्धी अंतरराष्ट्रीय मैचों में गोल करने का कारनामा भी कर चुके हैं, जिनमें उन्होंने कुल 27 गोल दागे हैं। हालंद ने इस ऐतिहासिक जीत को पूरे देश की जीत बताया। उन्होंने कहा, हम लगातार आगे बढ़ते रहे। मैं चाहता हूं कि इस इंटरव्यू को देखने वाले सभी युवा जब बड़े हों, तो उन्हें महसूस हो कि नॉर्वे के लिए खेलना उनकी जिंदगी का सबसे बड़ा गर्व होना चाहिए। यह एहसास शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, काश मैं अभी सड़कों पर लोगों के बीच होता। आज पूरे नॉर्वे को जश्न मनाना चाहिए। यह हमारे देश के इतिहास के सबसे यादगार दिनों में से एक है। हमें इस पल का पूरा आनंद लेना चाहिए। नॉर्वे की जीत में गोलकीपर ओरजान नाइलैंड की भी बड़ी भूमिका रही। उन्होंने ब्रूनो गिमारेस की पेनल्टी सहित कई शानदार बचाव किए। मैच के बाद उन्होंने कहा, इन भावनाओं को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। यह मेरी जिंदगी का सबसे बेहतरीन एहसास है। हमें पता था कि हम अंडरडॉग हैं और मुकाबला बेहद कठिन होगा, लेकिन हमें विश्वास था कि हम ब्राजील को हरा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, विश्व कप में हमने फिर ब्राजील को हरा दिया। हमने विश्व कप में उनसे कभी हार नहीं मानी। यह अविश्वसनीय उपलब्धि है। ब्राजील जैसी टीम को हराना किसी सपने के सच होने जैसा है। मैं सभी नॉर्वेजियाई लोगों के लिए बेहद खुश हूं। अब हमारा सफर आगे बढ़ेगा और इससे बड़ा मंच कोई नहीं हो सकता। अब क्वार्टर फाइनल में नॉर्वे का सामना इंग्लैंड से होगा। एर्लिंग हालंद की शानदार फॉर्म को देखते हुए टीम को एक और बड़े उलटफेर की उम्मीद है, जबकि हालंद की नजरें अब विश्व कप ट्रॉफी के साथ–साथ गोल्डन बूट पर भी टिकी होंगी।

क्या तीसरे टी20 में एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को मौका देगा भारत ? किसका कटेगा पत्ता

नॉटिंघम,एजेंसी। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार को नॉटिंघम में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था और भारत सीरीज में 0–1 से पीछे चल रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की टी20 में यह तीसरी हार थी। इससे पहले टीम को आयरलैंड के खिलाफ भी दो मैचों में हार मिली थी। भारत को अगर सीरीज जीतनी है तो उसे हर हाल में तीसरा टी20 मुकाबला अपने नाम करना होगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में टीम प्रबंधन अतिरिक्त तेज गेंदबाज को प्लेइंग–11 में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह खतरे में दिखाई दे रही है। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में बिश्नोई पूरी तरह लय से बाहर नजर आए। उन्होंने तीन बैक–फुट नो–बॉल फेंकी और पारी के 17वें ओवर में 29 रन लुटाए। चार ओवर में बिना विकेट लिए 60 रन खर्च करने के बाद उनकी टीम में जगह पर सवाल उठने लगे हैं। ट्रेंट ब्रिज की परिस्थितियों को देखते हुए बिश्नोई का प्लेइंग–11 में शामिल होना मुश्किल माना जा रहा है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है। स्विंग और पिच से अतिरिक्त हरकत हासिल करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर विकल्प बनाती है, जिनकी बैक–ऑफ–द–लेंथ गेंदें टी20 क्रिकेट में अपेक्षाकृत आसान साबित होती हैं। पिछले छह महीनों से आईपीएल समेत अधिकांश मुकाबले सपाट विकेटों पर खेलने वाली भारतीय बल्लेबाजी इकाई इंग्लैंड की अतिरिक्त उछाल, गेंद की हरकत और सैम करन जैसे गेंदबाजों की विविधताओं के सामने संघर्ष करती दिखी है। कप्तान श्रेयस अय्यर और ईशान किशन ने कुछ उपयोगी रन जरूर बनाए हैं, लेकिन दोनों ही यह स्वीकार करेंगे कि वे इंग्लैंड के गेंदबाजों पर पूरी तरह हावी नहीं हो सके। इंग्लैंड के स्पिनर लियाम डॉवसन, विल जैक्स और आदिल राशिद लगातार गेंद की गति कम रखकर भारतीय बल्लेबाजों को परेशान कर रहे हैं।

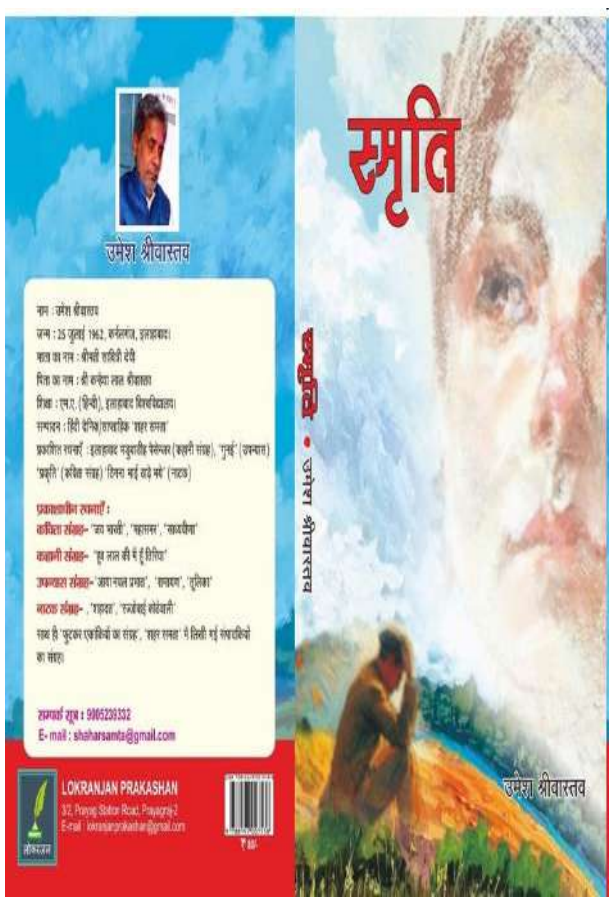

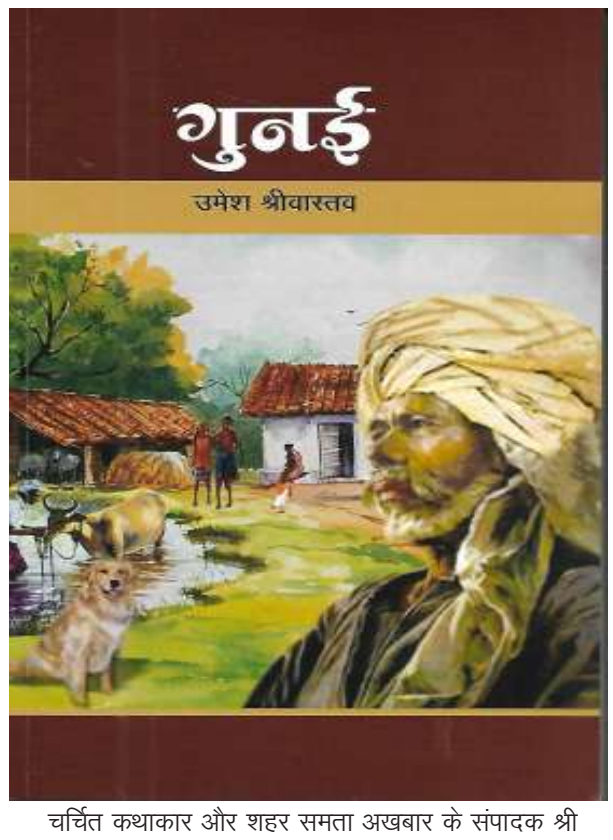

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

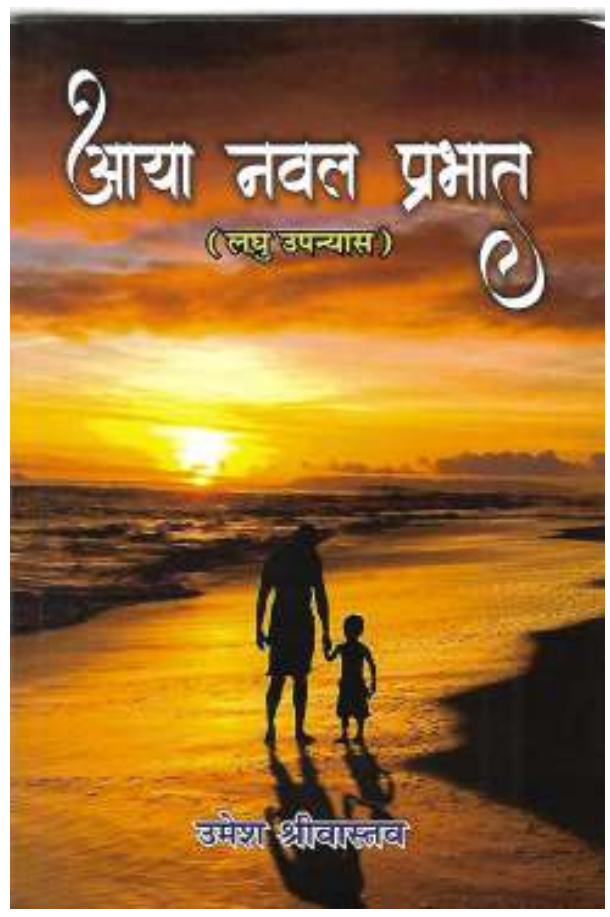

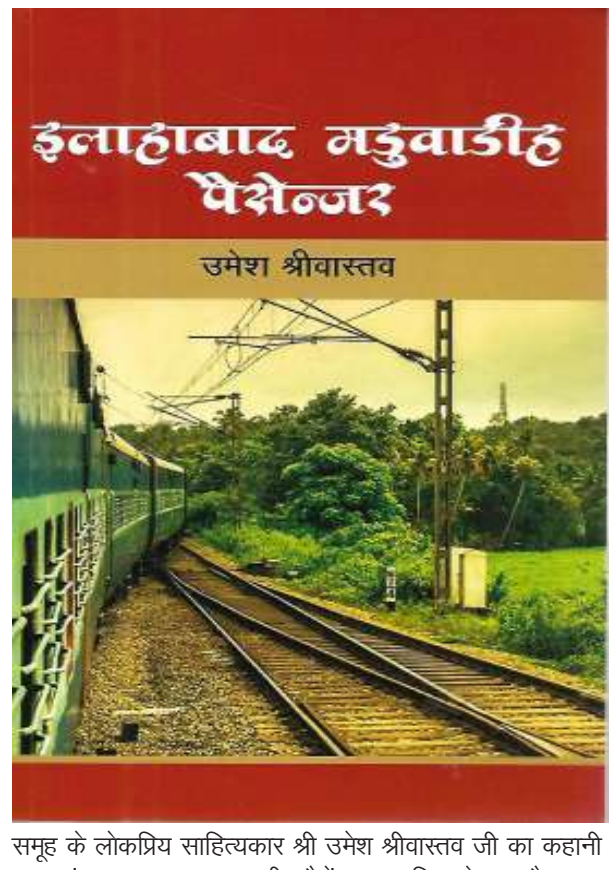

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

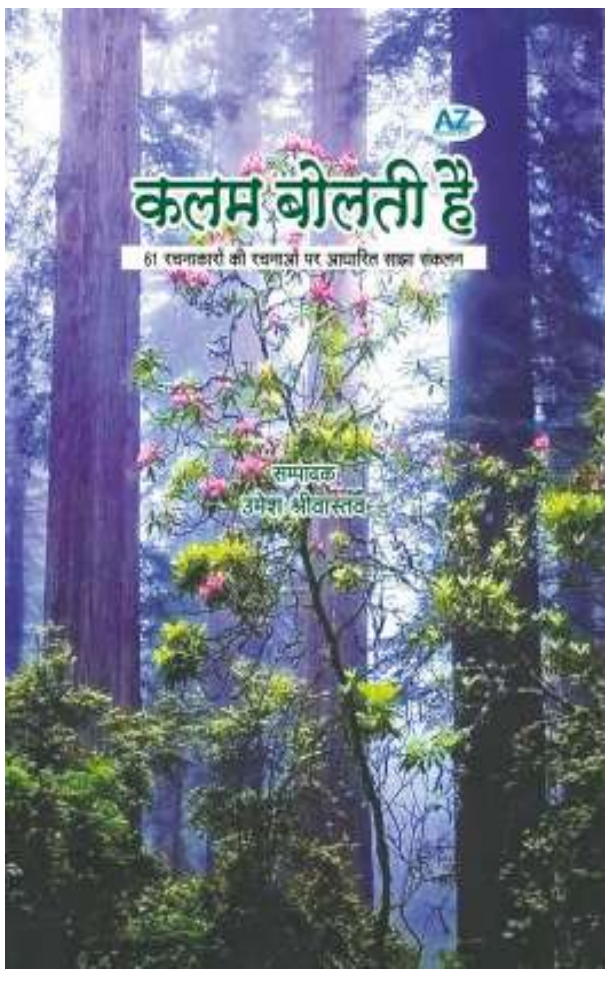

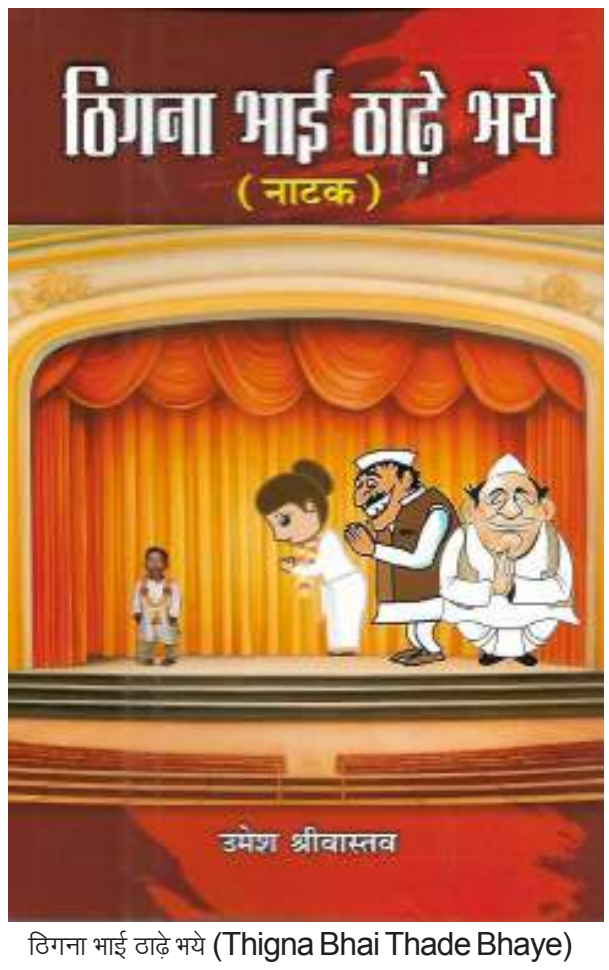

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

तेहरान में खामेनेई की अंतिम यात्रा शुरू, जनता ने दी श्रद्धांजलि, किसके खिलाफ की गई नारेबाजी?

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में शुरू

हुई। शहर की सड़कों पर हजारों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। खामेनेई के ताबूत को ईरान के राष्ट्रीय ध्वज में लपेटा गया था और उसे एक विशेष रूप से सजाए गए ट्रक पर रखा गया। इसी ट्रक पर उनके परिवार के उन सदस्यों के ताबूत भी रखे गए, जिनकी 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका के हमले की शुरुआत में हुए एक हवाई हमले में मौत हो गई थी। करीब 12 घंटों पर तेहरान की सड़कों पर चलेगी अंतिम यात्रा ईरानी अधिकारियों के अनुसार, अंतिम यात्रा करीब 12 घंटे तक तेहरान की सड़कों से गुजरते हुए मेहराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पहुंचेगी। इसके बाद खामेनेई के पार्थिव शरीर को उनके जन्मस्थान मशहद ले जाया जाएगा, जहां इमाम रजा दरगाह में उन्हें सुपुर्द–ए–खाक किया जाएगा। ईरान में शनिवार से शुरू हुआ राष्ट्रीय शोक गुरुवार तक जारी रहेगा। इस दौरान कई सड़कें बंद कर दी गई हैं और हवाई क्षेत्र पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। सैकड़ों लोगों ने खामेनेई के समर्थन में लहराए झंडे–बैनर अंतिम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने खामेनेई के समर्थन में झंडे और बैनर लहराए। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ नारे लगाए तथा डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ बदले की मांग वाले पोस्टर भी उठाए। एक महिला शोककर्ता फातिमा हसन ने कहा, ष्हम यहां सिर्फ अपने नेता को विदाई देने नहीं आए हैं, बल्कि उनका बदला लेने का संकल्प भी लेकर आए हैं। ईरान से बातचीत की कोशिश कर रहा अमेरिका उधर, अमेरिका ईरान के साथ बातचीत जारी रखने की कोशिश कर रहा है। इन वार्ताओं का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना और हालिया युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। हालांकि, अंतिम संस्कार पूरा होने तक इन वार्ताओं के आगे बढ़ने की संभावना कम मानी जा रही है।

पीओके में पाकिस्तानी सेना का अत्याचार: हजारों प्रदर्शन कारियों पर बरसाईं गोलियां, एक व्यक्ति की मौत, कई घायल

रावलकोट , एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में शहबाज शरीफ सरकार के अत्याचार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे हजारों नागरिकों पर पाकिस्तानी

सुरक्षाबालों ने कई जगह गोलियां बरसाईं। इसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं। कई की हालत गंभीर है। जम्मू–कश्मीर ज्वाइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के आह्वान पर रविवार को अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में 40 हजार से अधिक प्रदर्शनकारी जुटे। शरीफ सरकार के जुल्म और 600 से अधिक मानवाधिकार कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी के बाद आक्रोश चरम पर है। सरकार की ज्यादती के खिलाफ आंदोलन चला रहे जेएएसी ने इस्लामाबाद की निर्मम कार्रवाई को चुनौती देते हुए गैर–कानूनी ढंग से गिरफ्तार नेताओं व कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की। जेएएसी ने कहा कि बुनियादी अधिकारों के लिए हो रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने के लिए पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने डुडियाल में भीड़ पर बिना उकसावे के गोलियां चलाईं। वहीं, इमरान खान की पार्टी तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) की पीओके इकाई ने दावा किया कि डड्याल अंब में हुई गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई। मुजफ्फराबाद में सुरक्षाबलों–प्रदर्शनकारियों में झड़प हुई। जेएएसी ने एक्स पर लिखा कि सुरक्षाबलों ने गोलाबारी की। कई प्रदर्शनकारियों की बाइक क्षतिग्रस्त कर दीं। पुलिस व पाकिस्तानी रेंजर्स ने प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले भी दागे। इसके अलावा मनक पियन, संगी मेरा, तरीकाबाद, लोअर छत्रा और बेइला नूर शाह में भी झड़पें हुईं। पाकिस्तान पुलिस की हिंसक कार्रवाई में आठ जून को कम से कम 30 प्रदर्शनकारियों की मौत हो गई थी। जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। पीओके में जेएएसी और सरकार के बीच विधानसभा की 12 आरक्षित सीटों को लेकर विवाद है। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में जेएएसी के सदस्य सरदार अमन खान ने मेंढर, पुंछ, राजौरी, डोडा में रहने वालों से अपील की है कि उनकी तरफ राशन और दवाओं की कमी है। हमें आपकी मदद चाहिए। पाकिस्तानी नियंत्रण से आजादी की अपने लोगों की बेताबी का इजहार करते हुए उन्होंने सीमाओं को खत्म करने की मांग की। भारतीय नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि हम सीजफायर लाइन खत्म करना चाहते हैं। हमें आपका समर्थन चाहिए।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर. 9190052 39332
.919450482227

न्यूयॉर्क के कोनी आइलैंड में अंधाधुंध फायरिंग, चार बच्चों समेत आठ घायल

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर में गोलीबारी की एक बड़ी घटना हुई है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, ब्रूकलिन के कोनी आइलैंड इलाके में चार जुलाई की एक पार्टी चल रही थी। इसी दौरान एक बंदूकधारी ने फायरिंग कर दी। इस घटना में चार बच्चों समेत कम से कम आठ लोग घायल हो गए। न्यूयॉर्क पुलिस विभाग (छल्व्क) ने इसकी जानकारी दी। कैसे हुई घटना? सीएनएन के मुताबिक, यह घटना शनिवार रात करीब 10रू35 बजे हुई। काले कपड़े और काले रंग का स्की मास्क पहने एक अज्ञात व्यक्ति वहां आया। वह सर्फ एवेन्यू के पास बाड़ के करीब पहुंचा। इसके बाद उसने घर के आंगन में कई राउंड गोलियां चलाईं। वहां एक परिवार जश्न मना रहा था। गोली चलाने के बाद हमलावर पैदल ही वहीं से फरार हो गया। एनवाईपीडी कमिश्नर जेसिका टिश ने बताया कि पुलिस मौके पर पहुंची। वहां आठ लोगों को गोली लगी थी। घायलों में 6, 7, 12 और 14 साल के चार लड़के शामिल हैं। इसके अलावा 21 और 25 साल की दो महिलाएं और 33 और 37 साल के दो पुरुष भी घायल हुए हैं। पुलिस ने बताया कि 21 साल की महिला और 33 साल के पुरुष की छाती में गोली लगी है। छह साल के बच्चे के पेट में गोली लगी है। बाकी तीन बड़े लड़कों के पैर या जांघ में गोली लगी है। 21 साल की महिला की हालत गंभीर है। बाकी सात लोगों की हालत स्थिर है। क्या बोले न्यूयॉर्क के मेयर? न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने इस घटना की निंदा की। उन्होंने कहा कि शहर में ऐसी हिंसा की कोई जगह नहीं है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने शहर को सुरक्षित बनाने का वादा किया। अधिकारियों ने अभी तक घायलों की पहचान नहीं बताई है। हमले का कारण भी साफ नहीं है। कमिश्नर टिश ने कहा कि गोलीबारी से पहले किसी बहस का कोई संकेत नहीं मिला है। हालांकि, पिछले हफ्ते इसी ब्लॉक में गैंगवार में एक हत्या हुई थी। जांचकर्ता दोनों घटनाओं के बीच संबंध तलाश रहे हैं। मौके से एक टीईसी–9 स्टाइल की बंदूक, एक बड़ी मैगजीन और 10 खाली खोखे मिले हैं। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। सीएनएन के अनुसार, रविवार सुबह 4 बजे के तुरंत बाद क्राउन हाइट्स इलाके में एक 18 साल का हथियारबंद युवक पुलिस की बिना निशान वाली गाड़ी के पास आया। उसने फायरिंग कर दी, जिससे एक एनवाईपीडी जासूस को गोली लग गई। मेयर ने बताया कि गोली जासूस की बुलेटप्रूफ जैकेट के पिछले हिस्से में लगी। इससे उन्हें कोई गंभीर चोट नहीं आई। वह अधिकारी शनिवार दोपहर से 12 घंटे की शिफ्ट पर काम कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि एक अन्य अधिकारी के चेहरे और कंधे पर चोटें आई हैं। मामले में आरोपी को टेजर गन से झटका देकर निहत्था कर दिया गया और उसे हिरासत में ले लिया गया है।

PoJK में पाकिस्तान के खिलाफ बगावत तेज: भारत से लगाई मदद की गुहार, लंदन की सड़कों पर क्यों उतरे हजारों लोग?

लंदन, एजेंसी। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू–कश्मीर में जारी विरोध प्रदर्शनों के बीच भारत का नाम खुलकर सामने आने लगा है। संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) के नेता सरदार अमन खान ने भारत से मानवीय सहायता भेजने और नियंत्रण रेखा (एलओसी) खोलने की अपील की है। उन्होंने दावा किया कि पाकिस्तान की कार्रवाई के बाद इलाके में राशन और दवाइयों की कमी हो गई है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है, जब पीओजेके में पाकिस्तान प्रशासन के खिलाफ लगातार प्रदर्शन हो रहे हैं और हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं।

पीओजेके के नेता ने भारत से क्या अपील की? सरदार अमन खान ने एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पीओजेके के लोगों को भारत की मदद की जरूरत है। उन्होंने आरोप लगाया कि पाकिस्तान प्रशासन ने आंदोलन को दबाने के लिए आर्थिक नाकेबंदी जैसी स्थिति पैदा कर दी है, जिससे आम लोगों को खाने–पीने का सामान और दवाइयां नहीं मिल पा रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हालात और बिगड़ते हैं तो लोगों को भारत आने का विकल्प मिलना चाहिए। उन्होंने नियंत्रण रेखा के पूंछ और डोडा सेक्टर की ओर रास्ता खोलने की भी मांग की। हालांकि, उनके इस कथित वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है।

पीओजेके में विरोध प्रदर्शन क्यों तेज हुए हैं? पिछले महीने से पीओजेके में पाकिस्तान प्रशासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हो रहे हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि इस्लामाबाद स्थानीय लोगों की समस्याओं को नजरअंदाज कर रहा है और विरोध की आवाज उठाने वालों पर सख्ती की जा रही है। ईदगाह मैदान में हुई एक बड़ी रैली में प्रदर्शनकारियों ने श्पीओजेके पाकिस्तान का हिस्सा नहीं हैश और श्हमें आजादी चाहिएश जैसे नारे लगाए। इससे साफ संकेत मिला कि आंदोलन अब केवल स्थानीय मांगों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पाकिस्तान के राजनीतिक नियंत्रण के खिलाफ भी आवाज उठाई जा रही है। जेएएसी पर कार्रवाई को लेकर क्या दावा? रिपोर्टों के अनुसार, पाकिस्तान प्रशासन ने पांच जून को संयुक्त अवामी एक्शन कमेटी को प्रतिबंधित संगठन घोषित कर दिया था। इसके बाद आंदोलन से जुड़े लोगों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी गई। कई विश्लेषकों का मानना है कि इस कदम से पीओजेके में असंतोष और बढ़ गया। विश्लेषकों का कहना है कि पाकिस्तान के मुख्यधारा के राजनीतिक दलों का लंबे समय से इस क्षेत्र की राजनीति पर प्रभाव रहा है, जबकि स्थानीय संगठनों की भूमिका लगातार सीमित होती गई है। पाकिस्तान प्रशासन पर क्या आरोप लगाए जा रहे हैं? प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आंदोलन को दबाने के लिए सुरक्षा बलों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि कार्रवाई में कई लोगों की जान जा चुकी है। जेएएसी का आरोप है कि शांतिपूर्ण आंदोलन पर सख्ती की जा रही है। संगठन ने कहा कि यदि मांगों का जवाब गोलियों से दिया गया, तो आंदोलन और तेज होगा। कई इलाकों में सुरक्षा बलों की तैनाती बढ़ा दी गई है। क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इन आरोपों पर विस्तृत आधिकारिक प्रतिक्रिया अभी सामने नहीं आई है। ये प्रदर्शन पाकिस्तान के लिए चुनौती क्यों? पीओजेके में जारी विरोध प्रदर्शन अब पाकिस्तान के लिए एक राजनीतिक और प्रशासनिक चुनौती बनते जा रहे हैं। भारत से मदद मांगने और एलओसी खोलने की अपील ने इस पूरे घटनाक्रम को और संवेदनशील बना दिया है। हालांकि, इन मांगों पर भारत की ओर से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि पाकिस्तान प्रशासन आंदोलन को बातचीत से शांत करने की कोशिश करता है या सख्ती का रास्ता जारी रखता है। फिलहाल पीओजेके के हालात पर पूरे क्षेत्र की नजर बनी हुई है।

नाटो की बैठक से पहले रूस का युक्रेन पर बड़ा हमला, मिसाइल–ड्रोन अटैक में सात लोगों की मौत

मॉस्को , एजेंसी। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। हालांकि शुरुआती जानकारी में किसी नए बड़े जनहानि के आंकड़े जारी नहीं किए गए। इससे पहले भी पिछले सप्ताह रूस ने कीव पर बड़ा हमला किया था, जिसमें कम से कम 30 लोगों की मौत हुई थी। जेलेंस्की ने पहले ही बड़े हमले की चेतावनी क्यों दी थी? यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है। उनके इस बयान के कुछ घंटे बाद ही कीव पर बड़ा हमला हो गया। नाटो शिखर सम्मेलन से पहले यह हमला कितना अहम? यह हमला ऐसे समय हुआ है, जब मंगलवार से तुर्किये की राजधानी अंकारा में नाटो शिखर सम्मेलन शुरू होना है। सम्मेलन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समेत कई सदस्य देशों के नेता शामिल होंगे। माना जा रहा है कि बैठक में यूक्रेन युद्ध, यूरोप की सुरक्षा और रूस के खिलाफ आगे की रणनीति प्रमुख मुद्दे होंगे। ऐसे समय में कीव पर हमला रूस की ओर से एक रणनीतिक संदेश के तौर पर भी देखा जा रहा है। रूस और यूक्रेन के बीच जंग किस दिशा में बढ़ रही? रूस पूर्वी यूक्रेन के दोनेत्स्क क्षेत्र में अधिक से अधिक इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश कर रहा है। वहीं यूक्रेन भी रूस के भीतर तेल रिफाइनरी, बंदरगाहों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर चुका है। इससे दोनों देशों के बीच संघर्ष और अधिक व्यापक होता जा रहा है। पिछले कुछ सप्ताह में दोनों पक्षों ने एक–दूसरे के रणनीतिक ठिकानों को लगातार निशाना बनाया है। क्या ट्रंप और पुतिन की बातचीत का असर दिखेगा? चार जुलाई को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच करीब 90 मिनट तक फोन पर बातचीत हुई थी। रूस के विदेश मंत्रालय के अनुसार, ट्रंप ने एक बार फिर यूक्रेन युद्ध को समाप्त कराने में मदद की पेशकश की थी। हालांकि बातचीत के कुछ ही दिनों बाद कीव पर हुए ताजा हमले ने संकेत दिया है कि फिलहाल युद्ध थमता नहीं दिख रहा है। अब सभी की नजर नाटो शिखर सम्मेलन पर रहेगी, जहां यूक्रेन संकट को लेकर आगे की रणनीति और सहयोग पर अहम फैसले लिए जा सकते हैं।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

`भारत हमारे साथ है': जेडी वेंस की टिप्पणी पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू का जवाब, बोले- हमारे कई दोस्त हैं

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका भले ही दावा करे कि वह इस्राइल का इकलौता सहयोगी है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ऐसा नहीं मानते हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को भारत का जिक्र करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ही दुनिया में इस्राइल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी

है। फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंगश को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल को भारत सहित कई अन्य देशों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने व्यंग के लहजे में कहा, ष्हमारे कुछ और दोस्त भी हैं, जैसे भारत नाम का एक छोटा–सा देश। वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में एक ब्रीफिंग के दौरान जेडी वेंस ने कहा था कि इस्राइल को अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। जब उनसे उन खबरों के बारे में पूछा गया कि इस्राइली नेतृत्व अमेरिका–ईरान समझौते से नाखुश है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था, ष्अगर मैं इस्राइल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो मैं उस एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता जो पूरी दुनिया में अब भी मेरे साथ है। इस पर अब नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें फेसबुक पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा, ष्आप जानते हैं, मेरा फेसबुक पर एक अकाउंट है और वहां मुझे जबरदस्त समर्थन मिलता है। हो सकता है कि मुझे कई अन्य जगहों से भी समर्थन मिल रहा हो।ष उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज किया कि इस्राइल का कोई दूसरा सहयोगी नहीं है। नेतन्याहू ने अब कैसे दिया जवाब? नेतन्याहू ने कहा, ष्हमारे बहुत–बहुत दोस्त हैं।ष उन्होंने कहा कि कई देश इस्राइल के साइबर सुरक्षा विशेषज्ञों की मदद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ष्कई नेता मुझे फोन करते हैं और कहते हैं, श्देखिए, जनमत को लेकर मुझे कुछ दिक्कत है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम आपका सम्मान करते हैं। क्या हम कुछ समझौते कर सकते हैं? क्या आप हमें अपनी सेना के कुछ तौर–तरीके सिखा सकते हैं? क्या हमें आपकी एआई और साइबर विशेषज्ञता मिल सकती है?ष इस्राइली पीएम ने कहा, ष्साइबर क्षेत्र में इस्राइल दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा देश है और हमारी तकनीक बेहद उन्नत है। इसलिए हमारे रिश्ते वैसे नहीं हैं, जैसे बाहर से दिखाई देते हैं।

ट्रंप का दबाव! 13 देशों ने बनाई खामेनेई के अंतिम संस्कार से दूरी, US चल रहा क्या चाल?

तेहरान, एजेंसी। अमेरिकी दबाव के आगे 13 देशों ने ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में शामिल होने से दूरी बना ली। ईरान के सरकारी मीडिया की रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका ने अली खामेनेई के बहुदिवसीय अंतिम संस्कार समारोह में देशों की भागीदारी रोकने के लिए कूटनीतिक अभियान चलाया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इसके बाद कम से कम 13 देशों ने या तो अपनी भागीदारी वापस ले ली या प्रतिनिधिमंडल का स्तर घटा दिया। ईरान की तस्नीम समाचार एजेंसी ने एक वरिष्ठ सूत्र के हवाले से बताया कि तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में शुरू हुए अंतिम संस्कार से पहले अमेरिका ने कई देशों को समारोह में शामिल न होने के लिए राजनयिक स्तर पर संपर्क किया। समारोह में विभिन्न देशों के प्रतिनिधिमंडल शामिल हो रहे हैं। शनिवार से शुरू हुआ अंतिम संस्कार नौ जुलाई को खामेनेई के गृह नगर मशहद में उन्हें सुपुर्द–ए–खाक करने के साथ संपन्न होगा। अमेरिका ने देशों पर कैसे बनाया कूटनीतिक दबाव? रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने 26 जून को अमेरिकी दूतावासों और राजनयिक मिशनों को गोपनीय निर्देश जारी किए थे।

यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।